PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 296 ● भिलाई, शनिवार 06 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

केरलम 3 दिन देरी से पहुंचा मानसून, झमाझम बारिश शुरू

नईदिल्ली। केरलम में लोगों का इंतजार खत्म हुआ। दक्षिणी-पश्चिमी मानसून 3 दिन की देरी से राज्य के तटीय इलाकों में पहुंच गया। हर साल केरलम में मानसून सामान्य रूप से 1 जून को आता है, लेकिन इस बार यह 3 दिन की देरी से आया है, जबकि भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने इसके 26 मई को आने की संभावना जताई थी। आईएमडी ने अगले सप्ताह केरल में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है। केरलम में पहुंचा मानसून अब तेलंगाना की ओर बढ़ने में कम से कम एक सप्ताह का समय लेगा, जिसे देखते हुए आईएमडी ने तेलंगाना में लू की चेतावनी वापस ले ली है। हालांकि, मानसून अगले 2 से 3 दिनों के दौरान कर्नाटक के कुछ और हिस्सों, तमिलनाडु के शेष हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, पश्चिम मध्य, पूर्व मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ेगा। भारत के दक्षिण राज्यों में भले मानसून आ गया हो, लेकिन दिल्ली समेत उत्तर भारत राज्य को अभी इंतजार करना पड़ेगा।

बड़ाबाजार में गिरफ्तार तृणमूल पार्षद महेश शर्मा को 6 दिनों की पुलिस हिरासत

कोलकाता। महानगर कोलकाता के वार्ड नंबर 42 के तृणमूल पार्षद महेश कुमार शर्मा को बड़ा बाजार थाने की पुलिस ने रंगदारी, धोखाधड़ी सह कई गंभीर आरोपों के तहत गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तृणमूल पार्षद को आज कोर्ट में पेश करने पर अदालत ने उन्हें 6 दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है। आज जब पार्षद को जज के सामने पेश करने के लिए पुलिस बैंकशाल कोर्ट परिसर में लेकर पहुंची तो वहां मौजूद भीड़ ने %चोर-चोर% का नारा लागना शुरु कर दिया। ऐसे में तृणमूल और बीजेपी समर्थकों में ठन गई। इसके बाद तृणमूल और बीजेपी समर्थकों के बीच मारपीट शुरु हो गई व तमाम लोगों के कपड़े तक फाड़े गये, हलांकि पुलिस को उक्त ऐसे हालात बनने का आभास पहले से ही था यही कारण है कि महेश शर्मा को भारी सुरक्षा के बीच सिर पर हेलमेट पहनाकर लाया गया था। उपजे हालात से कोर्ट परिसर गरमा गया।

पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ गृह मंत्रालय पर कथित आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणी करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, यह मामला सिलीगुड़ी साइबर अपराध पुलिस थाना में एक अधिवक्ता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज हुआ है। शिकायत अधिवक्ता रिंकी सेन चटर्जी ने दर्ज कराई है। आरोप है कि ममता बनर्जी ने दो जून को कोलकाता के रानी रासमणि रोड पर आयोजित एक विरोध सभा के दौरान ऐसे बयान दिए, जिनमें गृह मंत्रालय और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका को लेकर संकेतात्मक आरोप लगाए गए।

पीएम गुजरात दौरे पर विपक्ष पर बरसे

पीएम मोदी ने कहा इन्होंने पहले देश को दूसरों पर निर्भर रखा

गुजरात।/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात दौरे पर 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत चल रही विकास परियोजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने सूरत के हजीरा के अलावा अंतरराज्यीय रोड नेटवर्क का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोग देश में निराशा का माहौल बनाने में लगे हैं। पीएम मोदी ने विपक्षी राजनीतिक दलों को आड़े हाथों लिया और बिना किसी का नाम लिए कहा कि ये लोग निराशा का माहौल बनाने के अलावा आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक भी बनाते हैं। उन्होंने कांग्रेस या राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, कुछ लोग भारत को नीचा दिखाना चाहते हैं। पीएम मोदी ने भाजपा को मिलने वाली राजनीतिक सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि देश अराजकता, अनिश्चितता और निराशा को पसंद नहीं करता। कांग्रेस पिछले 12 वर्षों से अराजकता और अनिश्चितता फैला कर अपने लिए अवसर तलाश रही है, लेकिन देश की जनता बार-बार करारा जवाब दे रही है। आप लोगों ने तो कांग्रेस को हाशिए पर धकेल दिया है। जहां कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां की जनता कांग्रेस के कुशासन से तंग आ चुकी है। हिमाचल में हुए निकाय चुनाव का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, वहां की जनता ने भी कांग्रेस के कुशासन को नकार दिया। पिछले साल हरियाणा और पंजाब की जनता ने भी कांग्रेस को स्पष्ट संदेश दिया है। जनता ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस

की अराजकता में अवसर खोजने की राजनीति नहीं चलेगी। गत दिनों गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा को मिली सफलता का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, गुजरात के लोगों ने भाजपा का इतना समर्थन किया कि पुराने सारे रिकॉर्ड टूट गए। पीएम मोदी ने कहा, मैं आज ज्यादा खुश इसलिए भी हूं कि मेरे रिकॉर्ड भी आप सबने तोड़ दिए। मैं राजनीति में बहुत देर से आया था। शायद 1987 में मैं पॉलिटिक्स में आया। उसके बाद सूरत, अहमदाबाद में निकाय चुनाव मेरा पहला चुनाव था। पहले ही चुनाव में भारी विजय मिली। तबसे लेकर आज तक विजय की यात्रा चल ही रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, दुनिया के लोकतांत्रिक समाज में ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि किसी दल को इतने लंबे समय तक जनता जनार्दन का आशीर्वाद मिले। सेवा का अवसर मिलना बहुत बड़ी बात है। सूरत और नवसारी के अनेक चुने हुए जनप्रतिनिधि आज इस कार्यक्रम में मौजूद हैं। सभी को शुभकामनाएं। गुजरात की जनता ने हमारे सेवाभाव को अपना समर्थन दिया है, ये बात सभी को याद रखनी चाहिए। ये प्रचंड विजय सेवा के मिशन को विस्तार देने के लिए है। हम सभी को और अधिक परिश्रम करना है। हमारा संकल्प विकसित गुजरात, विकसित भारत है। इस संकल्प को सेवा के भाव से समर्पित होकर सिद्ध करना है।

भारत की जैविक विविधता पर हमें है अपार गर्व-मोदी

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को बधाई देने के साथ ही 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के सिद्धांत से प्रेरणा लेने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की भी सराहना की है। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट पर लिखा है कि भारत में हमें अपनी जैविक विविधता पर बहुत गर्व है। हमारे विविध पारिस्थितिक तंत्र अनगिनत प्रजातियों और आजीविका का आधार हैं। वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में हमारे प्रयास भी सराहनीय रहे हैं। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, हिम तेंदुए, स्लॉथ बियर और चीतों के संरक्षण प्रयासों ने यह दिखाया है कि निरंतर प्रतिबद्धता वन्यजीवों और पारिस्थितिक तंत्रों को पुनर्स्थापित करने में कैसे सहायक हो सकती है। 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी पहलों ने प्रतिवर्ष लगभग 1.19 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूसरे एक्स पोस्ट में पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित लोगों की सराहना की है।

कच्चे तेल की लोडिंग रुकी

ट्रंप की ईरान को युद्ध की सीधी चेतावनी...!

नई दिल्ली। मीडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। ओमान के तेल निर्यात टर्मिनल पर हुए एक भीषण धमाके ने वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। मस्कट के पास स्थित मीना अल फहल टर्मिनल पर हुए इस संदिग्ध ड्रोन हमले के बाद कच्चे तेल की लोडिंग को अनिश्चित काल के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, यह विस्फोट टर्मिनल के सिंगल-बॉय मूरिंग बर्थ 1 और 2 के बीच हुआ। सूत्रों के अनुसार, यह धमाका कथित तौर पर एक ड्रोन हमले के कारण हुआ था। इस घटना ने ओमान के सबसे

महत्वपूर्ण तेल निर्यात केंद्रों में से एक के संचालन को पूरी तरह से रोक दिया गया है। हालांकि, अभी तक किसी भी पक्ष ने इस हमले की आधिकारिक जिम्मेदारी नहीं ली है। इस हमले के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ईरान के लिए एक 'रेड लाइन' खींच दी है।

मिल रही थी धमकियां

दिल्ली में प्रदर्शन से पहले कॉकरोच जनता पार्टी चीफ अभिजीत दीपके के परिवार ने छोड़ा घर

नई दिल्लीद्ध देशभर के करोड़ों छात्रों के भविष्य से जुड़े नीटपेपर लीक मामले को लेकर आज देश राजधानी दिल्ली में सियासी पारा सातवें आसमान पर है। सोशल मीडिया पर महज चार दिनों के भीतर 2 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स बटोरकर सनसनी मचाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी आज दिल्ली में अपना पहला आधिकारिक विरोध प्रदर्शन करने जा रही है। लेकिन इस प्रदर्शन से ठीक पहले एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके का परिवार महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित अपना घर छोड़कर किसी अज्ञात सुरक्षित स्थान पर चला गया है। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका के बोस्टन में रहने वाले अभिजीत दीपके के परिवार को पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर धमकियां मिल रही थीं। इसे देखते हुए छत्रपति संभाजीनगर पुलिस ने वालुज इलाके में स्थित उनके आवास शंकर सदन के बाहर सुरक्षा बल भी तैनात किया था। हालांकि, अब सुरक्षा कारणों से अभिजीत दीपके के माता-पिता भगवानराव दीपके और अनीता दीपके घर छोड़कर किसी गुप्त स्थान पर चले गए हैं। बता दे कि कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके बोस्टन में रहते हैं। वे नीट पेपर लीक मामले को लेकर 6 जून को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करने वाले हैं।

दीपके के इस प्रदर्शन को देश भर के छात्रों और युवाओं का काफी समर्थन मिला है। कॉकरोच जनता पार्टी को सोशल मीडिया पर 4 दिनों के भीतर 2 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए थे। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी देशभर में चर्चा का विषय बन गई। अभिजीत दीपके ने अब नीट पेपर लीक मामले के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। उन्होंने सीबीएसई और नीट विवाद को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के माता-पिता ने उन्हें राजनीति से दूर रहने की अपील की थी। उनके पिता भगवानराव दिपके और मां अनीता दिपके ने सार्वजनिक रूप से इच्छा जताई थी कि अभिजीत राजनीति से दूर रहें और अपने करियर पर ध्यान दें।

अन्नामलाई ने बनाई नई पार्टी, चुनाव लड़ने का किया ऐलान

नवीन ने किया स्वीकार अन्नामलाई का इस्तीफा

नई दिल्ली/ एजेंसी

तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रमुख के. अन्नामलाई ने शुक्रवार को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता स इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने दोपहर को एक नए राजनीतिक संगठन 'वी द लीडर्स' की शुरुआत की। उन्होंने घोषणा की कि उनकी पार्टी तमिलनाडु में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो मैसेज में अन्नामलाई ने कहा कि उनका यह फैसला उस मिशन को आगे बढ़ाने की इच्छा से प्रेरित है, जिसने उन्हें शुरू में सार्वजनिक जीवन में आने

के लिए प्रेरित किया था। उन्होंने बताया कि वह तमिलनाडु में सकारात्मक बदलाव लाने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन अब उन्होंने एक अलग राजनीतिक रास्ता चुना है। अन्नामलाई ने कहा कि उन्होंने भाजपा नेतृत्व को दिसंबर 2025 में पार्टी छोड़ने के अपने इरादे के बारे में बता दिया था। वरिष्ठ नेताओं ने उनसे अनुरोध किया था कि वे औपचारिक रूप से पद छोड़ने से पहले तमिलनाडु चुनाव तक पार्टी के साथ बने रहें। के. अन्नामलाई ने कहा कि अंतिम निर्णय लेने से पहले उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेताओं से सलाह मशविरा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए अन्नामलाई ने बताया कि पिछले 18 महीनों में कई मुद्दों पर भाजपा के साथ उनके मतभेद रहे हैं।

देश के 10 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में पश्चिम बंगाल के आठ शहर शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के लिए वायु प्रदूषण को लेकर एक गंभीर चेतावनी सामने आई है। आज दोपहर जारी रीयल-टाइम आंकड़ों के अनुसार देश के 10 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में से आठ पश्चिम बंगाल के हैं। यह स्थिति राज्य में पर्यावरणीय चुनौतियों और वायु गुणवत्ता को लेकर बढ़ती चिंताओं को उजागर करती है। स्विस वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था आईक्यूएयर की रीयल-टाइम मोस्ट पॉल्यूटेड सिटी रैंकिंग के अनुसार पश्चिम बंगाल का कूचबिहार 176 वायु गुणवत्ता सूचकांक के साथ देश का सर्वाधिक प्रदूषित शहर दर्ज किया गया।

समुद्र मंथन मिशन की बड़ी सफलता

ऑयल इंडिया को गहरे समुद्र में मिली प्राकृतिक गैस-पुरी

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत की ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू उत्पादन बढ़ाने के मोर्चे पर एक बेहद सकारात्मक और बड़ी खबर आई है। देश की प्रमुख सरकारी अन्वेषण कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने अंडमान सागर में गहरे पानी के भीतर प्राकृतिक गैस की खोज में एक बड़ी सफलता हासिल की है। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने ऑयल इंडिया को बधाई देते हुए सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। यह खोज भारत के महत्वाकांक्षी डीप-वाटर एक्सप्लोरेशन अभियान को एक

नई दिशा देने वाली साबित होगी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से 15 किलोमीटर दूर और 355 मीटर गहरे पानी में स्थित 'श्री विजयपुरम-3 'नामक एक अन्वेषणात्मक कुएं में प्राकृतिक गैस की मौजूदगी का पता चला है। ऑयल इंडिया की ओर से इओसीन संरचना में 1900 मीटर से अधिक की गहराई पर प्रारंभिक उत्पादन परीक्षण किया गया, जहां निरंतर 'फ्लेयरिंग' के माध्यम से गैस की पुष्टि हुई है। फिलहाल, कंपनी गैस की संरचना और उसके ऊर्जा मूल्य का सटीक आकलन करने के लिए गैस के नमूने ले रही है। इसके साथ ही गैस की उत्पत्ति को गहराई से समझने के लिए आइसोटोप अध्ययन भी किया जा रहा है। पेट्रोलियम मंत्री पुरी ने कहा, यह महत्वपूर्ण खोज ऐसे समय में हुई है।

9 हजार 194 विद्यार्थियों को प्रदान की गई उपाधि

नई पीढ़ी को डिजिटल एडिक्शन और पॉपकॉर्न स्टेटस से बाहर निकलने की आवश्यकता

- पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल और मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि डिजिटल एडिक्शन आज की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक बनती जा रही है। यह केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित कर रहा है। नई पीढ़ी को डिजिटल एडिक्शन और 'पॉपकॉर्न मेंटल स्टेटस' से बाहर निकलने की आवश्यकता है, क्योंकि इससे सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित होती है और केवल कृत्रिम संतुष्टि प्राप्त होती है।राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह के अध्यक्षीय उद्बोधन में उक्त बातें कही। समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह में मेडिकल, डेंटल, आयुर्वेद, होम्योपैथिक, मेडिकल बायोटेक, बीपीपी, एमपीटी, नर्सिंग, बीएएसएलपी सहित अन्य संकायों में 7545 स्नातक और 1645 स्नातकोत्तर एवं 5 सुपर स्पेशयलिटी उपाधि प्रदान की गई तथा विभिन्न संकायों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विभिन्न स्वर्ण

पदक प्रदान किए गए। राज्यपाल ने कहा कि यदि दृढ़ संकल्प के साथ प्रयास किया जाए तो 30 दिनों के भीतर डिजिटल एडिक्शन से काफी हद तक मुक्ति पाई जा सकती है। बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखते हुए खेल-कूद और बाहरी गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। आज के बच्चे सीमित दायरे में रह रहे हैं, जिससे उनकी प्रतिरोधक क्षमता भी प्रभावित हो रही है।राज्यपाल ने नवस्नातक चिकित्सकों से कहा कि जिस प्रकार वे राज्यपाल होने के नाते प्रदेश की जनता के हित के बारे में सोचते हैं, उसी प्रकार आपका दायित्व मरीजों के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति समर्पित रहना है। चिकित्सकों के सफेद कोट पर कभी कोई दाग नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप सभी ने मानवता की सेवा के उद्देश्य से इस क्षेत्र का चयन किया है। कठिन परिश्रम के बाद प्राप्त यह डिग्री आपके जीवन की दूसरी पारी की शुरुआत है। जहां भी कार्य करें, मरीज के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और ऐसा कार्य करें जो देश, प्रदेश और समाज में मिसाल बने। श्री डेका ने कहा कि वर्तमान समय में नेबरहुड डॉक्टरों की सबसे अधिक आवश्यकता है। पहले फैमिली फिजिशियन की परंपरा थी, जो मरीज और उसके परिवार की परिस्थितियों को भलीभांति समझते थे। चिकित्सा क्षेत्र में उस आत्मीयता को पुनर्जीवित करने की जरूरत है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने किया पौधरोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सुरजपुर जिले के भटगांव नगर पंचायत स्थित पुष्प वाटिका में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आम एवं अमरूद के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों से प्रकृति के संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन का आधार नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के संरक्षक भी हैं। उन्होंने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण की चुनौतियों के बीच प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है

कलेक्टर की सुगम कार्यप्रणाली से संपादित हो रहे जनहितकारी कार्य-विजय मोटवानी

अटल लैब के रक्त जांचो की विशिष्टता व त्वरित व्यवस्था से वाकिफ हुए जनप्रतिनिधिगण

धमतरी। शासकीय जिला चिकित्सालय में 103 प्रकार की रक्त जांचों पारदर्शी तथा निःशुल्क सुविधा उपलब्ध केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना को राज्य सरकार द्वारा अटल लैब के माध्यम से प्रारंभ किया गया है जिससे जरूरतमंद मरीजों को अतिशीघ्र रिपोर्ट उपलब्ध कराने हेतु मोबाइल एप में डाउनलोड तथा मैन्युअल प्रबंध भी किया गया है जिसकी सर्वत्र सराहना हो रही है। उक्त व्यवस्था से वाकिफ होने जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य नगरीकगण लैब में पहुंचकर लाखों रुपए की लागत से लगाए गए मशीनों तथा उपलब्ध कराये जा रहे तुरंत जांच व्यवस्था से अवगत हुए। मौके पर नगर निगम के पूर्व सभापति राजेंद्र शर्मा, स्पीकर/अध्यक्ष कौशल्या देवांगन, एमआईसी सदस्य विजय मोटवानी, अखिलेश सोनकर, पिंटू यादव, पार्षदगण कुलेश सोनी, हेमंत बंजारे सहित पप्पू सोनी समाजसेवी प्रमुख रूप से उपस्थित हुए। सरकार की बुनियादी स्वास्थ्यगत विकास के कार्यों को आगे बढ़ाने हेतु गति मिल रही है जो निश्चित ही हम जनप्रतिनिधियों के लिए गर्व का विषय है। वहीं सभापति कौशल्या देवांगन ने समाज के गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए रक्त जांच की व्यवस्था को स्वास्थ्य लाभ की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। अखिलेश सोनकर ने कहा कि सरकार की मंशा को समाज के अंतिम व्यक्ति के हितेषी के रूप में कार्य करने का उत्कृष्ट उदाहरण कहा। अटल लैब की विशेषताओं से अवगत कराने के लिए शासकीय अस्पताल के इस विभाग के प्रभारी डॉक्टर आदित्य सिन्हा, ज्योति वर्मा, उमेश यादव तथा लैब टेक्नीशियन के रूप में लितेश्वरी दिल्हेवार, लोमश यादव, डेनियल साहू, रूपेश यादव, जनहितकारी इस सुविधा की सराहना करते हुए विजय मोटवानी ने कहा है कि जिले के संवेदनशील कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की निरंतर प्रशासनिक सक्रियता के कारण शासकीय अस्पताल के विस्तार सहित अन्य चंद्रा खुमान, डगेश साहू, लक्कु वर्मा, मोनिका, गोविन्दा, टिकेश्वरी उपस्थित रहे। आम जनमानस में शासकीय चिकित्सा सुविधा के संबंध में विश्वास का भाव पैदा कर इस सुविधा का लाभ उठाने की दृष्टिकोण से नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी स्वयं अपना रक्त देकर ब्लड से संबंधित अनेक प्रकार की जांच करवाते हुए जरूरतमंद लोगों को आग्रह पूर्वक निवेदन किया है कि शासन प्रशासन की इस महत्वपूर्ण सेवाभावी कार्य का लाभ उठाकर अपने जीवन को सुरक्षित करते हुए अन्य लोगों को भी इससे जुड़कर प्रदेश सरकार के पवित्र भावनाओं को आगे बढ़ाने में अपने आप को जोड़ने का कार्य करें।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम की कार्रवाई,2 किलो खराब मोमोस किया नष्ट

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर जिले के खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता जांच की जा रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को भाटापारा शहर के कई दुकानों का निरीक्षण किया गया और खराब मोमोस व चटनी को नष्ट कराया गया। भाटापारा में त्रिपुरा सुंदरा देवी मोमोस सेंटर, डबल बहादुर मोमोस सेंटर,जय हिन्द हॉटल के पास सदर बाजार, पशुपति नाथ मोमोस एण्ड चाईनीस सेंटर की जाँच कर त्रिपुरा सुंदरा देवी मोमोस सेंटर में 2 किलोग्राम खराब मोमोस व डबल बहादुर मोमोस सेंटर में 1 किलोग्राम खराब मोमोस चटनी नष्ट कराया गया।

उक्त फर्मों से जाँच हेतु मोमोस चटनी, स्टिम्ड वेज मोमोस, चाईनीज पकौड़ा, फ्राई वेज मोमोस एवं फिंगर चिप्स का नमूना लेकर जाँच हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया। मोमोस एवं चाईनीज पकौड़ा फर्मों को खाद्य सुरक्षा एवं मानकचाईनीज पकौड़ा फर्मों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत साफ-सफाई के सुधारात्मक निर्देश दिए गये।

प्रमुख सचिव ने भाटागांव में पूरक पोषण आहार निर्माण केंद्र का किया निरीक्षण

बेहतर संचालन एवं गुणवत्तापूर्ण पोषण आहार निर्माण के निर्देश

बलौदाबाजार। महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार ने आज जिला प्रवास के दौरान ग्राम भाटागांव स्थित पूरक पोषण आहार निर्माण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और वहां कार्यरत स्व-सहायता समूह की महिलाओं से सीधे संवाद किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर कुलदीप शर्मा एवं जिला पंचायत सीईओ दिव्या अग्रवाल भी मौजूद रहे। प्रमुख सचिव मती शहला निगार ने केंद्र के बेहतर संचालन को लेकर समूह की महिलाओं की सराहना की, साथ ही बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उच्च गुणवत्तायुक्त 'रेडी टू ईट' फूड तैयार करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरक पोषण आहार की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने निर्माण प्रक्रिया के दौरान स्वच्छता और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी, ताकि पोषण आहार पूरी तरह सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक बना रहे। उल्लेखनीय है कि इस पूरक पोषण आहार निर्माण केंद्र का सुचारू संचालन 'जय मिनी माता स्व-सहायता समूह सोनपुरी' की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। प्रमुख सचिव ने महिलाओं के इस आत्मनिर्भर प्रयास को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें और अधिक दक्षता के साथ काम करने की प्रेरणा दी, जिससे जिले में कुपोषण मुक्ति के अभियान को और मजबूती मिल सके।

भारतीय जनता पार्टी मंडल भंवरपुर की मासिक बैठक सम्पन्न

भंवरपुर। भारतीय जनता पार्टी मंडल भंवरपुर की मासिक बैठक सम्पन्न हुआ। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों एवं विभिन्न जनहित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक की प्रस्तावना रखते हुए मंडल अध्यक्ष डेविड चौधरी ने संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने एवं केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक के मुख्य वक्ता मंडल प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल राजनीतिक संगठन नहीं बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम है। उन्होंने वृक्षारोपण अभियान को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आग्रह किया। बैठक में जनसम्पर्क अभियान एवं लाभार्थी संपर्क अभियान को लेकर विशेष चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से निरंतर संपर्क बनाए रखें तथा आमजन को योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें लाभ दिलाने में सहयोग करें। वहीं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। मंडल स्तर पर योग दिवस को भव्य एवं जनभागीदारी के साथ आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक लोगों को योग के प्रति जागरूक करने एवं कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण एवं पार्टी की आगामी रणनीति को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने हेतु पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में मंडल महामंत्री धर्मेन्द्र पटेल, पुरुषोत्तम अग्रवाल , जागेश्वर पटेल , कृष्ण कुमार नायक, झनक राम चौधरी, नरेश तिवारी, सोमनाथ पटेल, राजेंद्र कौसरिया, देवलाल बंजारे , भूमेश चौहान, मोहित लाल नायक, आत्माराम सिदार, हेमचंद पटेल, गोपाल साहू , कमलेश साहू, गंगाराम साहू, मधुसूदन पटेल, ताराचंद साहू, कीर्ति बेहरा , मुकेश चौधरी , जग्गू निषाद, बालमुकुंद पटेल, गिरधारी नायक, ऋषिकेश पटेल, हेमंत पटेल, बीरभूम पवार, कौशल, कौशल, अर्जुन चंद्रवंशी, प्रकाश सिंह परेश्वर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसानों को खाद की कमी एवं बढ़ती कालाबाजारी पर तत्काल रोक लगाए सरकार : संजय चौधरी

सरायपाली। छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष महासमुंद संजय चौधरी ने प्रदेश में किसानों को खाद की कमी एवं बढ़ती कालाबाजारी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। संजय चौधरी ने कहा कि खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में किसान डीएपी, यूरिया एवं अन्य आवश्यक उर्वरकों की कमी से जूझ रहे हैं। सहकारी समितियों और खाद वितरण केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं होने के कारण किसानों को घंटों कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर कुछ स्थानों पर खाद की कालाबाजारी एवं निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूले जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की परेशानी इस बात से और बढ़ गई है कि कई समितियों में प्रति एकड़ मात्र एक बोरी खाद ही उपलब्ध कराई जा रही है, जो खेती की वास्तविक आवश्यकता की तुलना में पूरी तरह अपर्याप्त है। खरीफ फसलों की समय पर बुवाई एवं बेहतर उत्पादन के लिए किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की आवश्यकता होती है, लेकिन सीमित वितरण के कारण किसानों को निजी दुकानों से अधिक कीमत पर खाद खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इससे खेती की लागत बढ़ रही है और किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। संजय चौधरी ने कहा कि किसान देश एवं प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन आज वही किसान अपनी फसल की तैयारी के लिए आवश्यक खाद प्राप्त करने में परेशान हैं। यदि समय पर और पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं हुई तो इसका सीधा असर खरीफ फसलों की बुवाई एवं उत्पादन पर पड़ेगा, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।उन्होंने राज्य सरकार एवं कृषि विभाग से मांग की कि सभी सहकारी समितियों और खाद विक्रेताओं के यहां पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा किसानों को उनकी वास्तविक आवश्यकता एवं भूमि रकबे के अनुसार खाद वितरित किया जाए। साथ ही कालाबाजारी करने वाले व्यापारियों एवं बिचौलियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए नियमित जांच अभियान चलाया जाए।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में विभिन्न सीटों के लिए काउंसलिंग की तिथियां जारी

गरियाबंद। जिला मुख्यालय स्थित शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग के लिए 30, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के लिए 15 और माइनिंग इंजीनियरिंग के लिए 30 सीटें इस प्रकार कुल 75 सीटों में प्रवेश के लिए संचालनालय तकनीकी शिक्षा द्वारा काउंसलिंग प्रक्रिया का प्रथम चरण 11 जून से 15 जून 2026 और द्वितीय चरण 26 जून से 30 जून 2026 तक जारी रहेगी। इसी प्रकार संस्था स्तर पर काउंसलिंग 11 जुलाई से 16 जुलाई तक होगी। काउंसलिंग के संबंध में अधिक जानकारी के लिए सीजीडीटीई रायपुर डॉट सीजी स्टेट या सीजीडीटीई डॉट एडमिशन या पॉलिटेक्निक गरियाबंद के आधिकारिक वेबसाइट में जाकर अवलोकन कर सकते है।

जयाबेन दोशी की पुण्य स्मृति में शीतल मठा सेवा, पक्षियों के लिए सकोरा वितरण

धमतरी। पूर्व विधायक एवं महिला समाज धमतरी की संस्थापक स्व.जयाबेन दोशी की 16वीं पुण्यतिथि की पावन स्मृति में महिला समाज धमतरी, सखी निवास एवं बिपिन भाई-रसीला बेन दोशी परिवार के संयुक्त तत्वावधान में शीतल मठा सेवा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महिला समाज धमतरी की अध्यक्ष हेमलता हिशीकर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ स्व.जया बेन दोशी के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात राहगीरों एवं आमजन के लिए शीतल मठा सेवा प्रारंभ की गई। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्य में लगभग 1800 लोगों को पारंपरिक कुल्हड़ों एवं पेपर गिलास में शीतल एवं स्वास्थ्यवर्धक मठा प्रदान किया गया। कुल्हड़ों के उपयोग के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गयाए जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की। मानव सेवा के साथ.साथ पर्यावरण एवं पक्षी संरक्षण का संदेश देते हुए कार्यक्रम के दौरान चिड़ियों के दाना.पानी की व्यवस्था हेतु 300 मिट्टी के सकोरों का भी वितरण किया गया। उपस्थित नागरिकों से अपने घरों, आंगनों एवं छतों पर सकोरों में पानी एवं दाना रखने का आग्रह किया गया, जिससे भीषण गर्मी में पक्षियों को राहत मिल सके। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि महिला समाज धमतरी की भूतपूर्व अध्यक्ष 77 वर्षीय राजुला बेन शाह ने उत्साहपूर्वक अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई तथा राहगीरों को स्नेह एवं आग्रहपूर्वक मठा प्रदान कर सेवा कार्य को विशेष गरिमा प्रदान की। इस सेवा आयोजन में नलिनी सोनी, संगीता शर्मा, साक्षी अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, सुषमा नंदा, यशा नंदा, सरला पारख, सूर्या लुंकड़, शांति दामा, धनवती किरी, शांति खत्री, वर्षा खंडेलवाल, स्नेहा राठौड़, रीना जैन, दीपक जैन, धनश्री जोशी, हेमंत सिन्हा, बिपिन दोशी, रसीला बेन दोशी, पराग दोशी, नंदन दोशी, सरिता दोशी, नन्ही बच्ची अन्विषा तथा महिला समाज द्वारा संचालित सखी निवास की अधीक्षक एवं सदस्य भूमिका, पूर्वी, गायत्री, प्रमिला एवं महिला समाज की सदस्यों का उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर महिला समाज धमतरी द्वारा स्व.जयाबेन दोशी के समाजसेवा, महिला उत्थान एवं जनकल्याण के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया गया।

संस्कारयुक्त शिक्षा ही सशक्त राष्ट्र निर्माण का आधार : महापौर रामू रोहरा

धमतरी। सरस्वती ग्राम शिक्षा समिति जिला धमतरी द्वारा छत्ती मे आयोजित दस दिवसीय नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगर निगम धमतरी के महापौर जगदीश रामू रोहरा ने प्रशिक्षणार्थी आचार्यों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माता होता है। विद्यार्थियों के जीवन में संस्कार, अनुशासन, नैतिकता एवं राष्ट्रभक्ति के भाव विकसित करने में आचार्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। महापौर रोहरा ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के साथ.साथ विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों एवं सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ना भी आवश्यक है। सरस्वती शिशु मंदिर जैसी संस्थाएं वर्षों से शिक्षा के साथ संस्कार प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं, जिसका सकारात्मक प्रभाव समाज में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे नवीन आचार्यों से कहा कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण समर्पण, निष्ठा और सेवा भाव के साथ करें। एक आदर्श शिक्षक अपने ज्ञानए व्यवहार और व्यक्तित्व से विद्यार्थियों को प्रेरित करता है तथा उनके जीवन की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण की पाठशाला है। महापौर रोहरा ने सरस्वती ग्राम शिक्षा समिति द्वारा आयोजित इस दस दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की कार्यक्षमता, नेतृत्व क्षमता और शिक्षण कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थी आचार्यों को सफल प्रशिक्षण की शुभकामनाएं देते हुए समाज एवं राष्ट्र के उत्थान में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनबंधु सिन्हा, मुख्य वक्ता रतनलाल चक्रधर, विशिष्ट अतिथि दानेश्वरी यादव, वर्गाधिकारी नरसिंग चंद्राकर सहित समिति के पदाधिकारी, आचार्यगण एवं प्रशिक्षणार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अधिकमास में बर्फानी बाबा के रूप में दर्शन दिए मकेश्वर महादेव

धमतरी। प्राचीन मकेश्वर महादेव जो 800 साल पुरानी परंपरा एवं मान्यताओं को अपने में समाहित होकर शहर के हृदय स्थल शास्त्री चौक स्थित होकर भक्तों को दर्शन देते हैं जिसे प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं द्वारा तीज त्यौहार तथा विशेष पर्वों में अलग.अलग रूपों में श्रृंगार किया जाता है। प्रतिदिन पूजा अनुष्ठान के साथ ही सोमवार के दिवस विशेष रूप से महा आरती करते हुए भंडारे का भी आयोजन होता है। अधिक मास के इस सोमवार को भगवान भोले भंडारी को विशेष साज सज्जा करते हुए कैलाश मानसरोवर तथा अमरनाथ बाबा के तर्ज पर मनमोहक बर्फ से विशेष श्रृंगार किया गया था जिसके दर्शन लाभ हेतु भक्तों तथा श्रद्धालुओं की भीड़ पूरी आस्था श्रद्धा के साथ उमड़ पड़ा। दर्शन पश्चात वहां आने वाले लोगों के लिए बर्फ के प्रसाद के रूप में शरबत, चुस्की का भी वितरण किया गया। भगवान मकेश्वर महादेव के इस अद्भुत, अलौकिक, अद्वितीय रूप को मंगल आरती के साथ वेदपाठी पंडित करण शास्त्री ने महा आरती उतारते हुए क्षेत्र में आगामी बारिश के समय में अच्छी बरसात तथा उत्कृष्ट फसल हेतु विशेष प्रार्थना सामूहिक रूप से की गई। इस पूजा अर्चना को मुख्य यजमान के रूप में गोपाल कटारिया एवं निधि कटारिया सपरिवार संपन्न करने का माध्यम बने। वही सभी उपस्थित जनों को मंदिर की सेवा जिम्मेदारी निभाने वाली गोमती चौबे ने आगामी समय में भी मंदिर के अनुष्ठान में धार्मिक भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

लाखों के जेवरात चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

धमतरी। पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना भखारा पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने सूने मकान में चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गए सोने.चांदी के जेवरात एवं वारदात में प्रयुक्त औजार बरामद किए हैं।

प्रकरण में प्रार्थी कृष्ण कुमार कोसरे, निवासी ग्राम कोसमर्रा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि दिनांक 13 मई 2026 को वह अपने परिवार सहित पारिवारिक कार्यक्रम में ग्राम अभनपुर गए हुए थे। दिनांक 17 मई 2026 को वापस लौटने पर उनके मकान का मुख्य दरवाजा एवं आलमारी का लॉक टूटा हुआ मिला तथा घर में रखे सोने.चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम चोरी होना पाया गया। चोरी गए मशरूका की कुल कीमत लगभग 50,700 रुपये थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी धमतरी द्वारा तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए थे जिस पर थाना भखारा पुलिस एवं सायबर टीम द्वारा तत्काल जांच प्रारंभ कर मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। विवेचना के दौरान प्राप्त सूचना के आधार पर संदेही घनश्याम यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी हेमन्त उर्फ सोनू मानिकपुरी के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि दोनों ने सूने मकान का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया तथा आलमारी का लॉक तोड़कर सोने.चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम चोरी की थी। चोरी के बाद दोनों ने आपस में जेवरात का बंटवारा कर लिया तथा नगदी राशि खर्च कर दी। आरोपी घनश्याम यादव के मेमोरण्डम कथन के आधार पर उसके कब्जे से चोरी गए जेवरात एवं घटना में प्रयुक्त कुदारी बरामद की गई। इसके बाद पुलिस टीम द्वारा रायपुर पहुंचकर हेमन्त उर्फ सोनू मानिकपुरी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने भी अपराध स्वीकार करते हुए अपने हिस्से के चोरी के जेवरात बरामद कराए। जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि चोरी गए सोने के गुलबंद को बेचने के उद्देश्य से आरोपी हेमन्त ने अपने परिचित ओमप्रकाश सोनी को दिया था। पूछताछ में ओमप्रकाश सोनी ने उक्त सोने के गुलबंद को गलाकर सोने का बिस्किट बनाना स्वीकार किया जिसे पुलिस द्वारा विधिवत बरामद कर जप्त किया गया। गिरफ्तार आरोपीगण का विवरण घनश्याम यादव पिता मनोज यादव उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम कोसमर्रा, थाना भखारा, हेमन्त उर्फ सोनू मानिकपुरी पिता शिवदास मानिकपुरी उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम कोसमर्रा थाना भखारा, हाल निवासी.मठपुरैना, रायपुर। ओमप्रकाश सोनी पिता रतनलाल सोनी उम्र 30 वर्ष निवासी प्रोफेसर कॉलोनी सेक्टर.02 रायपुर। पुलिस द्वारा आरोपियों से जप्त की गई बरामदगी आरोपियों के कब्जे से चोरी से संबंधित सोने.चांदी के आभूषण जिनमें सोने की बाली, नथ, लॉकेट, टॉप्स, मंगलसूत्र, गुलबंद हार, चांदी की पायल, बिछिया, अंगूठी, माला एवं अन्य जेवरात शामिल है, बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त घटना में प्रयुक्त एक कुदाली भी जप्त की गई। आरोपी हेमंत उर्फ सोनू मानिकपुरी द्वारा चोरी के गुलबंद हार को बेचने हेतु रायपुर निवासी ओमप्रकाश सोनी को दिया गया था जिसे गलाकर तैयार किए गए 10 ग्राम वजनी सोने के बिस्किट के रूप में बरामद कर जप्त किया गया। कुल मिलाकर तीनों आरोपियों से चोरी के सोने.चांदी के आभूषणए 10 ग्राम सोने का बिस्किट एवं घटना में प्रयुक्त कुदाली बरामद कर विधिवत जप्त की गई है। तीनों आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 52/2026, धारा 331-4, 305 एवं 3-5 भारतीय न्याय संहिता के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। धमतरी पुलिस द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। जिले में चोरी, नकबजनी एवं अन्य अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

10 माह से फरार आरोपी अजय गोस्वामी गिरफ्तार, अब तक 8 आरोपी दबोचे गए

रायपुर। रायगढ़ पुलिस के विशेष अभियान ऑपरेशन क्लीन हंट के तहत थाना तमनार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बहुचर्चित हुंकराडीपा ट्रेलर लूटकांड में पिछले 10 माह से फरार चल रहे आरोपी अजय गोस्वामी (32 वर्ष) को कोरबा जिले के कुसमुंडा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत तमनार पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके घर से दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, अजय गोस्वामी अपने पिता, भाइयों और अन्य साथियों के साथ कुल नौ आरोपियों के गिरोह का सदस्य था। इस गिरोह ने पांच ट्रेलर वाहनों में लूटपाट कर उन्हें ओडिशा ले जाकर छिपा दिया था। घटना के 24 घंटे के भीतर रायगढ़ पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि अजय गोस्वामी और एक अन्य आरोपी फरार चल रहे थे। 18 अगस्त 2025 को प्रार्थी संजय पटेल ने थाना तमनार में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने एसबीआई कोरबा शाखा से नीलामी में चार ट्रेलर वाहन खरीदे थे। उसी रात तमनार क्षेत्र के हुंकराडीपा के पास अज्ञात बदमाशों ने एक ट्रेलर वाहन को लूट लिया और चालक सहित अन्य ड्राइवरों के साथ मारपीट कर उनके मोबाइल फोन भी छीन लिए थे। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि घटना का मुख्य साजिशकर्ता ट्रेलरों का पूर्व मालिक अमन गोस्वामी था। मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई थी। जांच के दौरान रायगढ़ पुलिस ने ओडिशा में दबिश देकर हमीरपुर स्थित एक पेट्रोल पंप के समीप खेत में छिपाकर रखे गए चारों ट्रेलर बरामद किए थे। कार्रवाई के दौरान अमन गोस्वामी सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी स्विफ्ट डिजायर कार और कैम्पर वाहन में सवार होकर सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम देने पहुंचे थे। पुलिस ने आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर चार ट्रेलर वाहन, चार मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार जब्त की थी। बरामद संपत्ति का कुल मूल्य 1 करोड़ 56 लाख 24 हजार रुपये बताया गया है।

श्मशान घाट के पास गांजा बेचते हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गांजा बेचते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 2 किलो 186 ग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 20 हजार रुपये बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार थाना तेलीबांधा पुलिस और एसीसीयू रायपुर की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर अजय मोटवानी उर्फ अन्जू (36 वर्ष) शताब्दी नगर स्थित श्मशान घाट के पास अवैध रूप से गांजा बेचने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस ने विशेष टीम गठित कर मौके पर घेराबंदी की और दबिश दी। रेड कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपी अजय मोटवानी को गांजा बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 2 किलो 186 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसे जब्त कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 248/2026 के तहत धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी अजय मोटवानी क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसे पहले कई बार गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। इसके अलावा उसके विरुद्ध जिला बदर तथा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस का कहना है कि शहर में नशे के अवैध कारोबार पर लगातार नजर रखी जा रही है और ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

45 पाव देसी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना तेलीबांधा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को 45 पाव देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 8.1 लीटर शराब बरामद की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 2 जून 2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि सूरज नगर, लाभांडी क्षेत्र में एक व्यक्ति अवैध रूप से देसी शराब की बिक्री कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना तेलीबांधा पुलिस ने विशेष टीम गठित कर मौके पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने सुरेश बघेल (28 वर्ष) निवासी सूरज नगर, जैतखाम के पास, थाना तेलीबांधा को रंगे हाथों अवैध शराब बेचते हुए गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके पास से 45 पाव देसी शोले मसाला शराब बरामद हुई। प्रत्येक पाव में लगभग 180 एमएल शराब भरी थी।

35 वर्षों का इंतजार हुआ खत्म

सपेरा बस्ती में साकार हो रहा पक्के घरों का सपना-मुख्यमंत्री विष्णुदेव

- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भीखमपुरा में निर्माणाधीन पीएम आवासों का किया निरीक्षण
- जनजातीय परिवारों से संवाद कर सुनीं समस्याएं, दिव्यांग हितग्राहियों को दिए सहायक उपकरण

रायपुर/ संवाददाता

सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला विकासखंड स्थित ग्राम भीखमपुरा पहुंचे, जहां उन्होंने सपेरा बस्ती में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण कर विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवनयापन कर रहे सवरा (सपेरा) जनजाति के परिवारों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्माणाधीन आवासों का अवलोकन करते हुए कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि विकास और जनकल्याण का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र परिवार को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को सभी स्वीकृत आवासों और अन्य निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे पिछले लगभग 35 वर्षों से कच्चे घरों में रहकर जीवनयापन कर रहे थे।प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से अब उनका पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। हितग्राहियों ने कहा कि पहली बार उन्हें अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक आवास में रहने की उम्मीद मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने दिव्यांग हितग्राही रमाबाई सिदार को बैसाखी प्रदान कर उनकी सहायता की तथा बच्चों को चॉकलेट वितरित कर उनसे आत्मीय बातचीत की। मुख्यमंत्री की सहजता और अपनत्व से ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उल्लेखनीय है कि भीखमपुरा की सपेरा बस्ती में 68 परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास, सीसी रोड तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। यहां प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, जल जीवन मिशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है।

खरीफ सीजन के लिए खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता

- नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी से कम लागत में होगी बेहतर उत्पादन

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को खेती किसानी के लिए समय पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में खरीफ सीजन 2026 को ध्यान में रखते हुए जिले के किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त खाद एवं बीज उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शासन के निर्देशानुसार जिले में उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया है, ताकि किसानों को खेती-किसानी के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में खाद एवं बीज का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। विभागीय जानकारी अनुसार जिले की सहकारी समितियों में 15,571.67 टन तथा निजी विक्रय केन्द्रों में 16,582 टन उर्वरकों का भंडारण किया जा चुका है, जिसमें यूरिया, डीएपी, एसएसपी, एमओपी, एनपीके सहित अन्य उर्वरक शामिल है। इनमें से अब तक 11,305 टन उर्वरक किसानों को वितरित किए जा चुके हैं। वर्तमान में जिले में कुल 20,848 टन उर्वरक उपलब्ध हैं। इसी प्रकार बीज निगम कोण्डागांव द्वारा जिले की विभिन्न प्राथमिक कृषि साख समितियों एवं विकासखंड स्तरीय कार्यालयों में धान की उन्नत किस्मों के बीजों के साथ-साथ हरी खाद के लिए ढैंचा एवं मूंग बीज का पर्याप्त भंडारण किया जा रहा है। अब तक जिले की 47 समितियों एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालयों में 2988.90 क्विंटल बीज का भंडारण किया जा चुका है। कृषि विभाग द्वारा नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को इनके लाभों की जानकारी देकर इनके प्रयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

सुकमा के दुर्गम पुसगुड़ा गांव में दशकों बाद पहुँचा उजियारा

- घने जंगलों और पहाड़ों के बीच पहली बार चमके बिजली के बल्ब
- ग्रामीणों ने कहा- यह किसी चमत्कार से कम नहीं

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के धोर नक्सल प्रभावित और दुर्गम इलाकों में शामिल सुकमा जिले के पुसगुड़ा गांव में आखिरकार विकास का नया सूरज उगा है। वर्षों के लंबे इंतजार के बाद गांव के 106 घरों में पहली बार बिजली का कनेक्शन पहुँचा है। कोंटा विकासखंड के अंतर्गत घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे इस गांव के लिए यह महज एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नए युग की शुरुआत है।साहस और संकल्प की जीतजला मुख्यालय से लगभग 108 किलोमीटर दूर स्थित पुसगुड़ा तक पहुँचना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। कच्चे रास्ते, ऊंची चढ़ाई और दलदली पगडंडियों के कारण यह क्षेत्र दशकों तक मुख्यधारा से कटा रहा। प्रशासन ने इस दुर्गम कार्य को मिशन मोडश् में हाथ में लिया और विभाग की टीम ने मानव श्रम व स्थानीय सहयोग से खंभे और तार जंगलों के पार पहुँचाए।कलेक्टर का वक्तव्यसुकमा कलेक्टर श्री अमित कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पुसगुड़ा तक बिजली पहुँचाना प्रशासन की प्रतिबद्धता और जनहित के संकल्प की परीक्षा थी। यह केवल उजाला नहीं है, बल्कि बच्चों के भविष्य और गांव के आत्मविश्वास का नया सवेरा है।

सुशासन तिहार- पाली के ग्राम पंचायत मुड़ापार में जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

राज्य स्तरीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न

पात्र हितग्राहियों को राशि देने की प्रक्रिया सरलीकरण करें..

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने एसएलबीसी के बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों को उनके हिस्से की राशि के लिए ऋण देने की प्रक्रिया का सरलीकरण करें, जिससे हितग्राही आवास शीघ्रता से बना सकें। मुख्य सचिव ने नगरीय-प्रशासन विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए है कि प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत जिन हितग्राहियों को आवास स्वीकृत हुए हैं, उनके लिए एक विशेष शिविर लगाकर बैंकर्स से ऋण दिलवाये। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत केन्द्रांश एवं राज्यांश की राशि हितग्राहियों को दी जाती है। मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के लाभार्थी आधारित निर्माण (बीएलसी) घटक के अंतर्गत परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। इसी तरह से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक भागीदारी में किफायती आवास निर्माण के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं में भारत सरकार के एमआईएस पोर्टल पर दर्ज हितग्राहियों की प्रविष्टी में आवश्यक संशोधन की स्वीकृति के संबंध में भी विस्तार से चर्चा हुई।

नहाने गए 17 वर्षीय किशोर की डूबने से मौत की आशंका

रायपुर। जिले के प्रसिद्ध रश्मि देवी जलाशय (छिंदारी बांध) में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। नहाने गए तीन दोस्तों में से एक 17 वर्षीय किशोर गहरे पानी में डूब गया, जबकि उसके दो साथी किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकल आए। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, छुईखदान क्षेत्र के तीन युवक बुधवार दोपहर करीब 12 बजे घूमने के लिए छिंदारी बांध पहुंचे थे। कुछ देर बाद तीनों जलाशय में नहाने के लिए उतर गए। बताया जा रहा है कि तीनों को तैरना नहीं आता था, इसके बावजूद वे पानी के गहरे हिस्से में चले गए। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से तीनों डूबने लगे। हादसे के दौरान दो युवक किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन लक्ष्य पाल (17 वर्ष), पिता संजय पाल गहरे पानी में समा गया और लापता हो गया। साथियों ने तत्काल आसपास मौजूद लोगों से मदद मांगी और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही छुईखदान पुलिस और स्थानीय गोताखोर मौके पर पहुंचे तथा खोज अभियान शुरू किया गया। हालांकि जलाशय की अधिक गहराई और पानी में कम दृश्यता के कारण देर शाम तक किशोर का कोई पता नहीं चल सका।

5.77 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन निश्चय के तहत अवैध मादक पदार्थों के खिलाफलगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तिल्दा नेवरा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 5 किलो 770 ग्राम गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गांजा, एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन सहित कुल 3.46 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना तिल्दा नेवरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सासाहोली ओवरब्रिज के नीचे दो युवक मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी -22-ए एफ 6686 में गांजा लेकर ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास मौजूद लाल-पीले रंग के थैले से तीन पॉलीथीन पैकेट बरामद हुए, जिनमें कुल 5 किलो 770 ग्राम गांजा मिला। जब्त गांजा की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 75 हजार रुपये बताई गई है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त होंडा साइन मोटरसाइकिल और एक कार्बन कंपनी का कीपैड मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना तिल्दा नेवरा में अपराध क्रमांक 238/2026 के तहत धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

छोटे मुड़पार में आयोजित शिविर में मंत्री ने सुनीं लोगों की समस्याएं

जनता की समस्याओं का समाधान ही सुशासन की पहचान:नेताम

- विभागीय स्टॉलों का किया निरीक्षण, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर
- हितग्राहियों को पीएम आवास की चॉबी, केसीसी और सहायक उपकरणों का वितरण

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप संचालित सुशासन तिहार के तहत आज रायगढ़ जिले के जनपद पंचायत खरसिया के ग्राम छोटे मुड़पार में विशाल जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 20 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी समस्याएं और मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। कार्यक्रम में प्रदेश के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन एवं पशुधन विकास मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शिविर में ग्रामीणों से 700 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अनेक आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदनों के समय-सीमा के भीतर निराकरण के निर्देश दिए गए। प्रभारी मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। सुशासन तिहार इसी संकल्प का परिणाम है, जहां शासन स्वयं गांवों तक पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहा है और उनका समाधान कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में पारदर्शी, जवाबदेह और जन-केंद्रित प्रशासन की स्थापना की जा रही है। सरकार किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और आदिवासी समाज के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गांवों का विकास ही प्रदेश और देश के विकास की आधारशिला है। जब किसान समृद्ध होगा, युवा आत्मनिर्भर होगा और गरीब परिवारों को मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी, तभी विकसित छत्तीसगढ़ का सपना साकार होगा। प्रभारी मंत्री श्री नेताम ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं के निराकरण में संवेदनशीलता और तत्परता दिखाएं। प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समय-सीमा में उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों का शासन-प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

संपादकीय

सीमा पार से सिर्फ घुसपैठ नहीं, भीतर तक फैलता सुरक्षा का खतरा

अब सीमा से पंद्रह किलोमीटर तक के क्षेत्र में हर अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और शून्य सहनशीलता की नीति के तहत ऐसे निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा।पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में घुसपैठ और इससे जुड़ी आतंकवाद की समस्या ने भारत को किस स्तर तक नुकसान पहुंचाया है, यह छिपा नहीं है। हालांकि सीमा पर तैनात सुरक्षा बल के जवान अपनी ओर से पूरी कोशिश करते है कि पाकिस्तानी ठिकानों से भारत में घुसपैठ करने वालों को रोकें, गिरफ्तार करें या फिर जरूरत पड़ने पर उन्हें निशाना बनाया जाए। विडंबना यह है कि आज भी सीमा पर भारत को अक्सर घुसपैठ और आतंकी हमलों का सामना करना पड़ता है।इसकी एक बड़ी वजह सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था के तार और निगरानी का तंत्र अपेक्षित स्तर पर मजबूत न होने को माना जाता रहा है। फिर सीमा पर स्थित रिहाइशी इलाकों में भी कई बार आतंकी सूत्रों से जुड़े लोगों की पहचान नहीं पाने के अपने जोखिम हैं। शायद यही वजह है कि गृहमंत्री अमित शाह ने साफ लहजे में पाकिस्तान सीमा के आसपास सुरक्षा के लिहाज से सख्त नीति अपनाने को कहा है।गौरतलब है कि राजस्थान के सीमावर्ती इलाके के आसपास के जिलों में सुरक्षा को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने उच्चस्तरीय बैठक में भारत और पाकिस्तान सीमा के आसपास चौतरफा सुरक्षा योजना के तहत कई अहम निर्देश दिए हैं। इसके मुताबिक, अब सीमा से पंद्रह किलोमीटर तक के क्षेत्र में हर अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और शून्य सहनशीलता की नीति के तहत ऐसे निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा।इस सख्ती की वजह मुख्य रूप से राजस्थान के सीमाई इलाके के जिलों में घुसपैठ, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाना है। यह छिपा नहीं है कि सीमा से सटे क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से अलग-अलग रूप में होने वाली घुसपैठ अंतिम तौर पर भारत में आतंकवाद की जड़ों को मजबूत करती है।खासतौर पर सीमावर्ती इलाकों में अवैध रूप से रहने वाले कुछ लोग कई बार आतंकियों के लिए अप्रत्यक्ष सहायक के रूप में काम करते हैं। इनमें से कई लोग भ्रष्टाचार का सहारा लेकर न केवल स्थानीयता का फर्जी दस्तावेज बनवा लेते है, बल्कि संदिग्ध वित्तीय लेनदेन, अवैध गतिविधियों और सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी में भी लिप्त होते हैं।यह अकारण नहीं है कि आतंकवाद के खिलाफ चलने वाले अभियान के सामने अक्सर आंतरिक मोर्चों पर खड़ी जटिलताएं एक बड़ी चुनौती होती हैं। दरअसल, पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों ने सीमावर्ती इलाकों में अपना नेटवर्क खड़ा करने के लिए स्थानीय आबादी में घुसपैठ करके अपनी जगह बनाने को एक ढांचे के रूप में विकसित किया है। इसके अलावा, वे कारोबारी प्रतिष्ठानों से संपर्क साध कर भी आतंकी संगठनों के वित्तपोषण का एक संजाल खड़ा करते हैं।पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को शह देने का मुद्दा कई बार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भी उठ चुका है। भारत की ओर से लगातार चेतावनी और सख्ती के बावजूद सीमा पर घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगा पाना अब तक संभव नहीं हो सका है।

हीट वेव की गिरफ्त में भारत-

तपती धरती, तड़पता जीवन

(योगेश कुमार गोयल)

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है।

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता है। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है।

पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं।

बशीर बद्रः यादों के उजालों का आखिरी चराग बुझ गया

(प्रणय विक्रम सिंह)

कुछ लोग मरते नहीं, भाषा के भीतर बस जाते हैं। जब उनके इंतकाल की खबर आती है तो ऐसा नहीं लगता कि कोई शख्स चला गया है, बल्कि ऐसा महसूस होता है कि जिंदगी की किसी पुरानी गली का एक चराग बुझ गया है। वह गली, जहां कभी मोहब्बत धीरे-धीरे चलती थी, जहां रिश्ते आवाज़ नहीं देते थे, अहसास देते थे, और जहां दर्द भी तहज़ीब के साथ बयान किया जाता था।

बशीर बद्र साहब ऐसे ही शायर थे। उन्होंने उर्दू शायरी को महज अल्फ़ाज़ की ज़ीनत नहीं बनाया, बल्कि उसे रोज़मर्रा की ज़िंदगी की धड़कनों से जोड़ दिया। उनकी शायरी में इश्क़ था, लेकिन सिर्फ़ आशिक़ी नहीं थी। उसमें बिछड़ना था, मगर शिकवा नहीं था। उसमें तन्हाई थी, लेकिन वह तन्हाई इंसान को तोड़ती नहीं, भीतर से और गहरा करती थी।आज जब बशीर बद्र साहब हमारे बीच नहीं हैं, तो उनकी याद सबसे पहले उनके ही एक शेर की शक्ल में आती है-

उजाले अपनी यादों के
हमारे साथ रहने दो,
न जाने किस गली में
ज़िंदगी की शाम हो जाए।

शायद उन्हें भी मालूम था कि एक दिन ऐसा आएगा जब उनका जिस्म तो इस दुनिया से रुख़सत हो जाएगा, लेकिन उनकी यादों के उजाले करोड़ों दिलों में बचे रहेंगे। वे उजाले जो किसी उदास शाम में हमारे कंधे पर हाथ रख देते हैं। वे उजाले जो किसी तन्हा रात में हमें टूटने नहीं देते। वे उजाले जो बताते हैं कि मोहब्बत अभी पूरी तरह मरी नहीं है।

बशीर बद्र ने मोहब्बत को सबसे ज्यादा इंसानी बनाया। उन्होंने उसे फ़लसफ़ा नहीं बनाया, न इंक़लाब का नारा। उन्होंने उसे घरों, गलियों, रिश्तों और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में ढूंढा। शायद इसी लिए उनकी शायरी सीधे दिल तक पहुंचती है।

उन्होंने लिखा था
कोई हाथ भी न मिलाएगा
जो गले मिलोगे तपाक से
ये नए मिज़ाज का शहर है,
ज़रा फ़ासले से मिला करो।

यह केवल एक शेर नहीं था। यह बदलते समाज की पूरी कहानी थी। वह समाज जहां रिश्ते बच रहे थे, लेकिन अपनापन धीरे-धीरे कम होता जा रहा था।

बशीर बद्र ने टूटते हुए संबंधों को भी बड़ी ख़ामोशी से दर्ज किया कि

अच्छा तुम्हारे शहर का दस्तूर हो गया
जिसको गले लगा लिया वो दूर हो गया।

कितने लोग हैं जिन्होंने यह शेर पढ़कर अपने किसी बिछड़े हुए दोस्त, किसी खोए हुए रिश्ते या किसी अधूरी मोहब्बत को याद नहीं किया होगा?उनकी सबसे बड़ी ताकत यही थी कि वे हमारे निजी दुःखों को सामूहिक स्मृति बना देते थे।वह जानते थे कि ज़िंदगी किसी सीधी सड़क का नाम नहीं है। इसलिए उन्होंने लिखा

अभी राह में कई मोड़ हैं,
कोई आएगा कोई जाएगा,
तुम्हें जिसने दिल से भुला दिया
उसे भूलने की दुआ करो।

यह शेर मोहब्बत से ज़्यादा जीवन का सबक है। स्वीकार का सबक। आगे बढ़ने का सबक।

बशीर बद्र की शायरी में इंसान हमेशा इंसान बना रहता है। फ़रिश्ता नहीं बनता। शायद इसलिए उनका यह शेर आज और भी ज़्यादा सच लगता है

इसीलिए तो यहां अब भी अजनबी हूं मैं,
तमाम लोग फ़रिश्ते हैं, आदमी हूं मैं।

उन्होंने इंसान की कमज़ोरियों को छुपाया नहीं। उन्हें स्वीकार किया। उन्हें कविता बना दिया।

और फिर एक दिन उन्होंने यह भी कहा

चराग़ों को आंखों में महफ़ूज़ रखना
बड़ी दूर तक रात ही रात होगी।

आज जब उनके इंतकाल की खबर आई है, तो यह शेर एक वसीयत जैसा लगता है। जैसे वे अपनी रवानगी से पहले हम सबको याद दिला रहे हों कि अंधेरों के समय में भी स्मृतियों के चराग़ बुझने नहीं चाहिए।

उनकी शायरी में नदी भी बोलती थी और वक़्त भी

अगर फ़ुर्सत मिले
पानी की तहरीरों को पढ़ लेना
हर इक दरिया
हज़ारों साल का अफ़्साना लिखता है।

और सच यही है कि बशीर बद्र खुद भी एक दरिया थे। अनुभवों का, अहसासों का, यादों का। अब वह दरिया समुद्र में समा गया है, मगर उसकी रवानी बाकी है।

लेकिन वे यह भी जानते थे कि इस दुनिया में बड़े लोगों के साथ रहने से अक्सर छोटे आदमी का वजूद और उसकी सादगी मिट जाती है। इसलिए एक बहुत बड़े जीवन दर्शन को दरिया और समंदर के रूपक से समझाते हुए उन्होंने लिखा

?बड़े लोगों से मिलने में
हमेशा फ़ासला रखना
जहां दरिया समुंदर से मिला
दरिया नहीं रहता।

आज जब हम उन्हें विदा कर रहे हैं, तो उनके ही एक शेर में उनकी पूरी विरासत दिखाई देती है

दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये
गुंजाइश रहे।

किसानों के लिए कुछ भी कर जाते हैं पीएम मोदी

किसानों के हितों की रक्षा और देश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाए रखना मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट मानना है कि किसानों को सस्ती दरों पर खाद उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं आनी चाहिए, इसलिए जरूरत पड़ने पर सरकार इसके लिए खजाना खोलने से भी पीछे नहीं हटती। हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर खाद की आपूर्ति और कीमतों पर दबाव बढ़ा है, लेकिन केंद्र सरकार ने समय रहते कई महत्वपूर्ण कदम उठाकर यह सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी है कि खरीफ और रबी मौसम में किसानों को खाद की कमी का सामना न करना पड़े।

समुद्र में अटके खाद के 17 जहाज, हजारों किलोमीटर घुमा कर लाने की तैयारी

(नीरज कुमार दुबे) ।

पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद भारत आने वाले खाद से लदे 17 जहाज फारस की खाड़ी क्षेत्र में फंस गए हैं। इन जहाजों के अटकने से देश में खाद आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक वैकल्पिक योजना पर काम शुरू किया है।

किसानों के हितों की रक्षा और देश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाए रखना मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट मानना है कि किसानों को सस्ती दरों पर खाद उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं आनी चाहिए, इसलिए जरूरत पड़ने पर सरकार इसके लिए खजाना खोलने से भी पीछे नहीं हटती। हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर खाद की आपूर्ति और कीमतों पर दबाव बढ़ा है, लेकिन केंद्र सरकार ने समय रहते कई महत्वपूर्ण कदम उठाकर यह सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी है कि खरीफ और रबी मौसम में किसानों को खाद की कमी का सामना न करना पड़े। वैकल्पिक परिवहन मार्गों की तलाश, अतिरिक्त आयात, बढ़ती सब्सिडी का बोझ उठाने की तैयारी और सक्रिय कूटनीतिक प्रयास इस बात का प्रमाण हैं कि किसानों की जरूरतों को पूरा करना सरकार की सबसे बड़ी चिंता है।

रिपोर्टों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद भारत आने वाले खाद से लदे 17 जहाज फारस की खाड़ी क्षेत्र में फंस गए हैं। इन जहाजों के अटकने से देश में खाद आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक वैकल्पिक योजना पर काम शुरू किया है। इसके तहत संबंधित बंदरगाहों पर जहाजों के पहुंचने के बाद खाद को सड़क मार्ग से लगभग 1200 किलोमीटर दूर सऊदी अरब के यनबू बंदरगाह तक पहुंचाया जाएगा। वहां से इसे फिर समुद्री मार्ग के जरिए भारतीय बंदरगाहों तक लाने की योजना बनाई जा रही है। यद्यपि यह मार्ग लंबा है और इसमें अधिक समय लगेगा, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में इसे सबसे व्यवहारिक विकल्प माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार खाद विभाग ने मंत्रियों के एक अनौपचारिक समूह को इस योजना की जानकारी दी है। अधिकारियों का मानना है कि जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित होने के कारण सीधे मार्ग से आपूर्ति फिलहाल संभव नहीं है। देरी के कारण 60 से 70 दिनों तक अतिरिक्त समय लग सकता है, जिससे लागत भी बढ़ेगी। हालांकि सरकार का मानना है कि खरीफ मौसम के दौरान किसानों को खाद की उपलब्धता बनाए रखने के लिए यह अतिरिक्त प्रयास जरूरी है। अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो इसका असर रबी फसलों की बुआई पर भी पड़ सकता है।

इसी चुनौती से निपटने के लिए भारत ने खाद आयात की दिशा में भी बड़े कदम उठाए हैं। केंद्र सरकार ने 17 लाख टन यूरिया के आयात के लिए नया वैश्विक निविदा आमंत्रित किया है। सरकारी क्षेत्र की राष्ट्रीय उर्वरक लिमिटेड ने पश्चिमी और पूर्वी तटों के लिए अलग-अलग मात्रा में आयात प्रस्ताव मांगे हैं। इन खेपों को जुलाई के तीसरे सप्ताह तक रवाना करने की योजना बनाई गई है, ताकि धान, मक्का और सोयाबीन जैसी प्रमुख खरीफ फसलों की बुआई से पहले पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जा सके।

हम आपको बता दें कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा यूरिया आयातक देश है और ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया का संघर्ष प्राकृतिक गैस तथा अमोनिया जैसी प्रमुख कच्ची सामग्रियों की आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है, तब मोदी सरकार ने दूरदर्शिता का परिचय दिया है। इससे पहले अप्रैल में भी 25 लाख टन यूरिया आयात के लिए निविदा जारी की गई थी। वैश्विक स्तर पर आपूर्ति बाधित होने और कीमतों में वृद्धि के बावजूद सरकार लगातार अतिरिक्त खरीद और भंडारण की नीति पर काम कर रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर केवल आपूर्ति व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा दबाव केंद्र सरकार के वित्तीय प्रबंधन पर भी पड़ रहा है। खाद विभाग के नवीनतम आकलन के अनुसार यदि मौजूदा वैश्विक कीमतें बनी रहती हैं तो चालू वित्त वर्ष में खाद सब्सिडी का बोझ बढ़कर लगभग 3.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जबकि इसके लिए बजट में केवल 1.7 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। युद्ध के बाद यूरिया की वैश्विक कीमतों में 120 प्रतिशत से अधिक, डीएपी में 38 प्रतिशत, सल्फर में 87 प्रतिशत और अमोनिया में 84 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। रुपये की कमजोरी के कारण लागत में अतिरिक्त बढ़ोतरी भी हुई है। भारत डीएपी, पोटाश और एनपीके जैसे प्रमुख उर्वरकों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में उथल-पुथल का सीधा असर देश पर पड़ता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार किसानों पर अतिरिक्त बोझ डालने के बजाय सब्सिडी के माध्यम से राहत देने की नीति पर कायम है। अधिकारियों का मानना है कि यदि तनाव लंबा चला तो जहाजों की सामान्य आवाजाही बहाल होने में दो से तीन महीने लग सकते हैं, जबकि तेल और गैस आपूर्ति पूरी तरह पटरी पर आने में और अधिक समय लग सकता है। ऐसे में सरकार एक ओर आपूर्ति बनाए रखने का प्रयास कर रही है तो दूसरी ओर बढ़ती लागत के बावजूद किसानों को राहत पहुंचाने के लिए अतिरिक्त वित्तीय संसाधन जुटाने की तैयारी भी कर रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि मोदी सरकार की कूटनीति भी इस संकट के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भारत ने केवल खाड़ी क्षेत्र पर निर्भर रहने के बजाय रूस, मिस्र, कतर, नाइजीरिया समेत कई देशों से खाद और उससे जुड़ी आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति सुनिश्चित की है। सरकार दीर्घकालिक आपूर्ति समझौतों को बढ़ावा देने के साथ-साथ वैकल्पिक समुद्री मार्गों की भी तलाश कर रही है। इसका उद्देश्य भविष्य में किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना और आपूर्ति श्रृंखला को अधिक मजबूत बनाना है।

रिपोर्टों के मुताबिक, घरेलू उत्पादन को बनाए रखने के लिए भी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। खाद कारखानों को मिलने वाली गैस की आपूर्ति को पहले के लगभग 70 से 75 प्रतिशत स्तर से बढ़ाकर करीब 90 प्रतिशत तक कर दिया गया है। इससे उत्पादन क्षमता को बनाए रखने में मदद मिली है और घरेलू बाजार में खाद की उपलब्धता को स्थिर रखा जा सका है।

हालांकि वैश्विक बाजार में यूरिया की कीमतें अब भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं।

भानुप्रतापपुर शराब दुकान में भारी भ्रष्टाचार : ओवर रेटिंग और मिलावट से जनता त्रस्त, आम आदमी पार्टी ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

भानुप्रतापपुर। स्थानीय शासकीय अंग्रेजी शराब दुकान इन दिनों भ्रष्टाचार, मनमानी और अव्यवस्था का मुख्य केंद्र बन चुकी है। आबकारी विभाग की नाक के नीचे चल रहे इस खेल से आम जनता और उपभोक्ता बेहद त्रस्त हैं। स्थिति यह है कि नियमों को ताक पर रखकर ग्राहकों का खुलेआम शोषण किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है।

मिली जानकारी के अनुसार, दुकान के कर्मचारियों द्वारा ग्राहकों से प्रत्येक ब्रांड पर प्रिंट रेट से 10 से लेकर 50 तक की अतिरिक्त अवैध वसूली (ओवर रेटिंग) की जा रही है। हद तो तब हो गई जब इस भीषण गर्मी के मौसम में भी ग्राहकों को जानबूझकर गर्म बियर थमाई जा रही है। यदि कोई ग्राहक ठंडी बियर की मांग करता है, तो उसे ठंडा करने के नाम पर अलग से 'कमीशन' यानी अतिरिक्त पैसों की मांग की जाती है।

शराब में मिलावट और री-पैकिंग का काला कारोबार

दुकान के भीतर चल रहे गोरखधंधे को लेकर बेहद गंभीर आरोप सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि दुकान के कर्मचारी महंगी अंग्रेजी शराब में पानी की मिलावट कर रहे हैं। इस मिलावटी शराब को असली दिखाने के लिए संजय पारा और दल्लीराजहरा जैसे क्षेत्रों से खाली बोतलें और ढक्कन मंगाए जा रहे हैं, जिनकी मदद से दोबारा री-पैकिंग का खेल धड़ल्ले से चल रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ा अवैध कारोबार

उपभोक्ताओं का आरोप है कि आबकारी विभाग की मौन सहमति और मिलीभगत के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कोचियागिरी (अवैध शराब बिक्री) का जाल तेजी से फैल चुका है। इसके चलते गांवों का शांत माहौल पूरी तरह खराब हो रहा है और घरेलू हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं।

विरोध करने पर ग्राहकों से मारपीट और बदसलूकी

शराब दुकान में तैनात सेल्समैनों की गुंडागर्दी भी चरम पर है। जब भी कोई जागरूक ग्राहक ओवर रेटिंग या मिलावट का विरोध करता है, तो उसके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। हाल ही में ओवर रेटिंग का विरोध करने पर दुकान के सेल्समैन भगत कश्यप और विनय ठाकुर द्वारा ग्राहकों से गाली-गलौज और झूमाझटकी की गई। आए दिन ग्रामीणों के साथ मारपीट की नौबत आ रही है, जिससे काउंटर पर तनाव की स्थिति बनी रहती है।

आम आदमी पार्टी ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

इस पूरे मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर आक्रोश भड़क गया है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव हरेश चक्रधारी ने इस पूरे सिंडिकेट पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की जाए। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जाएं ताकि सच्चाई सामने आ सके। उपभोक्ताओं से बदसलूकी और अवैध वसूली करने वाले दोषी मैनेजर और सेल्समैनों को तत्काल पद से हटाया जाए। हरेश चक्रधारी ने साफशब्दों में चेतावनी दी है कि यदि आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन ने जल्द ही इन भ्रष्ट कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की, तो आम आदमी पार्टी आम जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

सुशासन तिहार बड़ेकनेरा में मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग के हितग्राहियों से किया संवाद

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा में सुशासन तिहार शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र खुटगुड़ा, बड़ेकनेरा का अवलोकन कर बच्चों से मुलाकात की तथा उनकी शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में उपस्थित हितग्राहियों एवं ग्रामीणों से विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन और उनसे प्राप्त लाभ के संबंध में संवाद कर फीडबैक भी लिया। महतारी वंदन योजना से लाभान्वित संतोषी भोयर ने मुख्यमंत्री को बताया कि योजना से प्राप्त प्रति माह 1,000 रुपये की सहायता राशि से उन्होंने अपना ब्यूटी पार्लर व्यवसाय प्रारंभ किया है। इसी प्रकार संपत्ती माणिकपुरी ने बताया कि उन्होंने योजना से प्राप्त सहायता का उपयोग कर सब्जी व्यवसाय शुरू किया है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत लाभान्वित सुरिका पटेल एवं खेमलता कोर्राम को मुख्यमंत्री द्वारा प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए गए। योजना के अंतर्गत प्रथम संतान के जन्म पर 5,000 रुपये तथा दूसरी संतान के रूप में बालिका के जन्म पर 6,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है, जिससे गर्भवती एवं धात्री माताओं के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से लाभान्वित डूमनी यादव एवं हिरादेई पांडे ने योजना से प्राप्त सहयोग के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री साय ने बालिकाओं कु. अंजू कोर्राम एवं पदमनी नेताम का अन्नप्राशन संस्कार कराया। वहीं बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक लता उसेंडी ने धात्री माताओं मनिता मरकाम एवं गुड़िया मरकाम की गोदभराई की रस्म संपन्न कराई। सक्षम योजना के अंतर्गत मनई यादव को छत्तीसगढ़ महिला कोष से लाभान्वित किया गया। साथ ही एकता स्व-सहायता समूह, बड़ेकनेरा को भी योजना का लाभ प्रदान किया गया। कार्यक्रम में काव्यांश एवं रोशनी को सुपोषण किट तथा किशोरी बालिकाओं प्रिया नेताम, महिमा, नंदनी पटेल, पुष्पा नायक एवं हिना को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता के उद्देश्य से हाइजीन किट वितरित की गई।

पखांजुर नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक-09 उपचुनाव में कांग्रेस की जीत, रुक्मणी एट्टी 65 मतों से हुई विजयी

पखांजुर। कांकेर जिले के पखांजूर नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक-09 में हुए पार्षद उपचुनाव का परिणाम घोषित हो गया है। इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रुक्मणी एट्टी ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 65 मतों के अंतर से पराजित किया है। हुई मतगणना में कुल 289 वैध मत पड़े, जबकि एक भी मत अवैध नहीं पाया गया। कांग्रेस प्रत्याशी रुक्मणी एट्टी को 158 मत प्राप्त हुए, वहीं उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी रंजीता विश्वास को 93 और गोमती निषाद को 38 मत मिले। इस तरह रुक्मणी एट्टी ने 65 वोटों के अंतर से जीत अपने नाम की। इस जीत के साथ ही पखांजूर नगर पंचायत की राजनीति में कांग्रेस की स्थिति पहले से मजबूत हुई है। अब तक 15 वार्डों वाली नगर पंचायत में कांग्रेस का केवल एक पार्षद था, लेकिन इस उपचुनाव के बाद कांग्रेस पार्षदों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। पार्टी समर्थकों ने इसे जनता का विश्वास बताते हुए कहा कि यह जीत केवल एक वार्ड की जीत नहीं है, बल्कि आने वाले समय में प्रदेश और राष्ट्रीय राजनीति पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। फिलहाल, वार्ड क्रमांक-09 में कांग्रेस की इस जीत ने स्थानीय राजनीति में नई चर्चा को जन्म दे दिया है और आने वाले समय में इसका असर क्षेत्रीय राजनीतिक समीकरणों पर देखने को मिल सकता है।

माड़ मैत्री अभियान के तहत उसेबेड़ा में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गई

ग्रामीणों के सहयोग एवं सहभागिता से नक्सली स्मारक को नष्ट किया गया, जरूरतमंद ग्रामीणों को दवाइयों का वितरण कर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई गईं

नारायणपुर। माड़ मैत्री अभियान के तहत माड़ क्षेत्र के ग्राम उसेबेड़ा में पुलिस एवं आईटीबीपी द्वारा जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को सुना गया। ग्रामीणों ने घोटुलपारा में पेयजल आपूर्ति की समस्या से अवगत कराया, जिस पर संबंधित विभाग के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही कराने हेतु आश्वस्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम उसेबेड़ा में स्थापित नक्सली स्मारक को ग्रामीणों की सहमति, सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता से नष्ट किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में शांति, विकास एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पुलिस एवं सुरक्षा बलों के प्रयासों का समर्थन किया। स्मारक हटाए जाने पर ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव एवं विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। माड़ मैत्री अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में जरूरतमंद ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया तथा आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। उक्त कार्यक्रम ने ग्रामीणों एवं सुरक्षा बलों के बीच आपसी विश्वास को और अधिक सुदृढ़ किया तथा विग्रह से विश्वास की भावना कोसे मजबूत करते हुए माड़ क्षेत्र में शांति, विकास एवं जनसहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खरीफ सीजन के लिए खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता, नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी से कम लागत में होगी बेहतर उत्पादन

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को खेती किसानी के लिए समय पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में खरीफ सीजन 2026 को ध्यान में रखते हुए जिले के किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त खाद एवं बीज उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिले में उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया है, ताकि किसानों को खेती-किसानी के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में खाद एवं बीज का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। विभागीय जानकारी अनुसार जिले की सहकारी समितियों में 15,571.67 टन तथा निजी विक्रय केन्द्रों में 16,582 टन उर्वरकों का भंडारण किया जा चुका है, जिसमें यूरिया, डीएपी, एसएसपी, एमओपी, एनपीके सहित अन्य उर्वरक शामिल है। इनमें से अब तक 11,305 टन उर्वरक किसानों को वितरित किए जा चुके हैं। वर्तमान में जिले में कुल 20,848 टन उर्वरक उपलब्ध हैं। इसी प्रकार बीज निगम कोण्डागांव द्वारा जिले की विभिन्न प्राथमिक कृषि साख समितियों एवं विकासखंड स्तरीय कार्यालयों में धान की उन्नत किस्मों के बीजों के साथ-साथ हरी खाद के लिए ढैंचा एवं मूंग बीज का पर्याप्त भंडारण किया जा रहा है। अब तक जिले की 47 समितियों एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालयों में 2988.90 क्विंटल बीज का भंडारण किया जा चुका है। कृषि विभाग द्वारा नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को इनके लाभों की जानकारी देकर इनके प्रयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार नैनो उर्वरक से कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त होता है। साथ ही मिट्टी की उर्वरा क्षमता में भी सुधार होता है और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है।

जिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में हंगामा, नवजात के परिजन पर महिला गार्ड से अभद्रता का आरोप

कोण्डागांव। जिला अस्पताल कोंडागांव के एसएनसीयू (स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट) वार्ड में देर रात एक नवजात के परिजन द्वारा महिला सुरक्षा गार्ड और अस्पताल स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई।अस्पताल सूत्रों के अनुसार, एसएनसीयू वार्ड में भर्ती एक नवजात के परिजन पर ड्यूटी पर तैनात महिला सुरक्षा गार्ड के साथ धक्का-मुक्की और अभद्रता करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने महिला गार्ड का हाथ पकड़कर खींचा, जिससे उसकी चूड़ियां टूट गईं। इसके अलावा मोबाइल छीनने का प्रयास करने तथा रास्ता रोककर वार्ड का दरवाजा बंद करने का भी आरोप लगाया गया है। घटना के दौरान मौजूद अस्पताल कर्मचारियों ने दावा किया है कि पूरे घटनाक्रम के वीडियो और फोटो उनके पास मौजूद हैं। अस्पताल स्टाफ का कहना है कि ड्यूटी के दौरान महिला कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के साथ इस प्रकार का व्यवहार गंभीर मामला है, जिस पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। मामले को लेकर अस्पताल प्रबंधन ने भी गंभीरता दिखाई है। सिविल सर्जन ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है और संबंधित व्यक्ति की पहचान की जा रही है। पहचान होने के बाद पूरे मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई जाएगी ताकि आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके। घटना के बाद अस्पताल के कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों में नाराजगी देखी गई। वहीं अस्पताल प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है, लेकिन अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस में शिकायत दर्ज होने के बाद मामले की वास्तविक स्थिति और तथ्यों का खुलासा होने की संभावना है। फिलहाल अस्पताल प्रबंधन पूरे घटनाक्रम से जुड़े साक्ष्य एकत्र करने में जुटा हुआ है।

एनएमडीसी एवं नगर पालिका के सहयोग से संवर रहा किरंदुल का गौरव पथ

किरन्दुल। किरंदुल नगर के गौरव पथ के सौंदर्यकरण एवं विकास को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह द्वारा पूर्व में एनएमडीसी के सीएमडी अमिताब मुखर्जी एवं एनएमडीसी प्रबंधन से विस्तृत चर्चा की गई थी। इस चर्चा के सकारात्मक परिणाम अब नगर में दिखाई देने लगे हैं।गौरव पथ में स्ट्रीट लाइट, एलईडी रोप लाइट लगाने के साथ-साथ डिवाइडर की रंगाई-पुताई का कार्य जल्द ही किया जाएगा। इन कार्यों से गौरव पथ की सुंदरता में चार चांद लगेंगे तथा क्षेत्र अंधेरा मुक्त होकर नागरिकों को बेहतर सुविधा प्रदान करेगा।

नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि किरंदुल नगर के गौरव पथ को सुंदर एवं अंधेरा मुक्त बनाना हमारी प्राथमिकता हैं। नगरवासियों को बेहतर सुविधा एवं आकर्षक वातावरण मिले,इसी उद्देश्य से यह कार्य कराया जा रहा हैं। एनएमडीसी प्रबंधन के सहयोग से नगर में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। आगे भी नगर के सौंदर्यकरण एवं जनहित के कार्य निरंतर जारी रहेंगे। एनएमडीसी महाप्रबंधक ने कहा कि किरंदुल नगर के विकास एवं सौंदर्यकरण में एनएमडीसी हमेशा सहयोग करता रहा हैं। गौरव पथ में स्ट्रीट लाइट एवं एलईडी रोप लाइट लगने से नगर की सुंदरता और बढ़ेगी। नगर पालिका के साथ समन्वय बनाकर नागरिक सुविधाओं को बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है। आने वाले समय में भी नगर हित एवं विकास कार्यों में हमारा सहयोग लगातार जारी रहेगा। नगरवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह के विकासशील सोच एवं जनहित कार्यों की प्रशंसा की है। वहीं एनएमडीसी अधिशासी निदेशक एवं प्रबंधन के सहयोग से नगर विकास कार्यों को नई गति मिल रही हैं।

शिक्षक परिवार का सपना हुआ साकार डॉ. अभिनव मिश्रा बने चिकित्सक

केशकाल। मेहनत, लगन और पारिवारिक संस्कारों के बल पर केशकाल के एक होनहार युवा ने सफलता की नई इबारत लिख दी है। नगर के निवासी डॉ. अभिनव मिश्रा ने नागपुर स्थित दत्ता मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त कर चिकित्सक बनने का गौरव हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल परिवार बल्कि पूरे केशकाल क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है। बता दें कि वर्ष 2021 बैच में मेडिकल शिक्षा के लिए चयनित हुए अभिनव ने कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी पढ़ाई पूरी कर डॉक्टर बनने का सपना साकार किया। वे स्वर्गीय गिरजा शंकर मिश्रा, पूर्व प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केशकाल, के पौत्र हैं। शिक्षा और अनुशासन की जिस विरासत को उनके दादा ने अपने जीवन में स्थापित किया, उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अभिनव ने चिकित्सा क्षेत्र में कदम रखकर परिवार का नाम रोशन किया है। डॉ. अभिनव के पिता राधाकृष्ण मिश्रा एवं माता शशि मिश्रा दोनों शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। माता-पिता के मार्गदर्शन, पारिवारिक मूल्यों और स्वयं की अथक मेहनत ने उन्हें इस महत्वपूर्ण मुकाम तक पहुंचाया है। अभिनव की सफलता की खबर सामने आते ही नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। समाज के गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों, मित्रों, विद्यालय परिवार तथा संयुक्त कर्मचारी परिषद केशकाल के पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। यह उपलब्धि केवल एक परिवार की खुशी नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। छोटे शहरों और ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करने वाले डॉ. अभिनव मिश्रा ने यह साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत ईमानदार हो और परिवार का सहयोग मिले, तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता।

संक्षिप्त समाचार

कैंसर की समय रहते पहचान और रोकथाम के लिए जिला चिकित्सालय बिलासपुर में निःशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग शिविर 6 जून को

बिलासपुर। कैंसर जैसी गंभीर एवं जानलेवा बीमारी के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा समय पर पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय बिलासपुर में 6 जून 2026 को निःशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक जिला चिकित्सालय परिसर में आयोजित होगा, जिसमें जिले के नागरिकों को निःशुल्क जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में विशेष रूप से स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर एवं मुख कैंसर की स्क्रीनिंग की जाएगी। अनुभवी कैंसर विशेषज्ञों की टीम द्वारा जांच के साथ-साथ रोग के लक्षणों, जोखिम कारकों, बचाव के उपायों तथा आवश्यकता पड़ने पर आगे की उपचार प्रक्रिया के संबंध में भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में पहचान होने पर उपचार की सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। नियमित जांच और समय पर चिकित्सकीय सलाह से न केवल बीमारी की गंभीरता को कम किया जा सकता है, बल्कि अनेक मामलों में जीवन की रक्षा भी संभव है। विशेषकर महिलाओं एवं तंबाकू सेवन करने वाले व्यक्तियों के लिए ऐसी जांच अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। स्वास्थ्य विभाग ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं और स्वयं तथा अपने परिजनों की जांच कराकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का परिचय दें। शिविर में सभी वर्गों के नागरिकों का स्वागत है और जांच पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। उल्लेखनीय है कि यह निःशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग शिविर बालको मेडिकल सेंटर एवं जिला स्वास्थ्य समिति, बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य कैंसर की शीघ्र पहचान को बढ़ावा देना तथा समाज में स्वास्थ्य जागरूकता को सुदृढ़ करना है।

विधायक शुक्ला ने किया पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बिलासपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज शासकीय उद्यान रोपणी, सरकंडा में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक श्री शुक्ला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। स्वच्छ और हरित वातावरण के निर्माण के लिए प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के साथ-साथ पौधों की देखभाल भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, तभी पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य सार्थक होगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, जिला पंचायत सभापति श्रीमती अनुसुइया जागेंद्र कश्यप, श्री मोहित जायसवाल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश दिया। कार्यक्रम में शासकीय उद्यान रोपणी, सरकंडा के उद्यान अधीक्षक श्री राकेश सेंडर, श्री श्रवण साहू तथा श्री शिव कुमार भास्कर भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया।

निर्माण कार्य के दौरान जड़ समेत गिरा धौरा वृक्ष, युवक व दो किशोरों की मौत

कोरबा। पाली थाना क्षेत्र के ग्राम चोरकाडांड में शनिवार शाम आए आंधी-तूफान और तेज बारिश के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में एक युवक और दो किशोरों की मौत के मामले में नया खुलासा सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी में बताया गया था कि तीनों बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़े थे, तभी पेड़ की भारी डाल टूटकर उन पर गिर गई। हालांकि घटनास्थल के निरीक्षण और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों ने इस दावे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मीडिया के मौके पर पहुंचने पर पता चला कि किसी पेड़ की डाल नहीं टूटी थी, बल्कि एक विशाल धौरा वृक्ष जड़ समेत उखड़कर गिरा था। ग्रामीणों, मृतक दिनेश तिर्की के परिजनों तथा निर्माण कार्य में लगी महिलाओं के अनुसार घटनास्थल पर वन समिति के माध्यम से सूअर पालन के लिए कोठा निर्माण का कार्य चल रहा था। मृतक दिनेश तिर्की और कमलेश बड़ा समेत अन्य लोग निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आंधी-तूफान के दौरान धौरा वृक्ष से अचानक तेज आवाज आई और कुछ ही क्षणों में वह निर्माण स्थल पर गिर पड़ा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में वृहद वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

महाप्रबंधक ने लोको कॉलोनी में नवनिर्मित रेल संस्कृति निकेतन का किया शुभारंभ

- विश्व पर्यावरण दिवस पर महाप्रबंधक कार्यालय में द.पू.म. रेलवे, महाप्रबंधक के द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई

बिलासपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने हेतु व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 15 मई से 05 जून 2026 तक चलाए गए विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 का समापन समारोह था, जिसके अंतर्गत रेलवे के विभिन्न परिसरों, स्टेशनों एवं कॉलोनियों में पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के मुख्य आतिथ्य में आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ लोको कॉलोनी स्थित नवनिर्मित सामुदायिक भवन रेल संस्कृति निकेतन से किया गया। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने भवन का विधिवत उद्घाटन कर इसे रेल परिवार को समर्पित किया। इसके पश्चात उन्होंने परिसर में पौधारोपण कर वृहद वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यालय सेक्रो अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, अपर महाप्रबंधक श्री विजय कुमार साहू, मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन सहित मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों तथा विभागाध्यक्षों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। वृक्षारोपण अभियान का दूसरा प्रमुख आयोजन नवीन अधिकारी विश्राम गृह, बिलासपुर के समीप विकसित मधुवन

उद्यान में किया गया। यहां भी महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने पौधारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके उपरांत उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य सहभागियों ने बड़ी संख्या में पौधे रोपे। इस दौरान लगभग 500 फ्लदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में स्काउट एवं गाइड, नागरिक सुरक्षा संगठन, सेंट जॉन एम्बुलेंस के स्वयंसेवकों, स्कूली विद्यार्थियों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक संकल्प को मजबूत किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण विषयक विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्कूली बच्चों एवं रेलकर्मियों द्वारा बनाई गई चित्रकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रतिभागियों की रचनात्मकता की सराहना की तथा उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति निरंतर जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। विश्व पर्यावरण दिवस पर महाप्रबंधक कार्यालय में द.पू.म. रेलवे, महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सभी रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई ! विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस विशेष अभियान के अंतर्गत बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर रेल मंडलों के विभिन्न कार्यालयों, रेलवे कॉलोनियों तथा प्रमुख स्टेशनों में लगभग 20 हजार से अधिक पौधों का रोपण किया गया, जिससे रेलवे परिसर को और अधिक हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। अपने संबोधन में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय चुनौतियों के इस दौर में प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने ऊर्जा संरक्षण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी, अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण तथा सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने जैसी सतत जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृहद वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित.....

बिलासपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून 2026 को Krishna Public School एवं Gargi Foundation के संयुक्त तत्वावधान में वृहद वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल, समस्त स्टाफ एवं गार्गी फाउंडेशन के सदस्यों ने अपनी-अपनी माताओं के नाम पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में फ्लदार एवं छायादार वृक्षों के साथ नारियल एवं विद्या के पौधे विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। वहीं 5 वर्षीय नन्हीं गार्गी ने भी उत्साहपूर्वक चार पौधे लगाकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन

की जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन द्वारा ली गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल की प्रिंसिपल Runki Abest MaÓam एवं वाइस प्रिंसिपल Raman Mishra जी का विशेष सहयोग रहा। Bindu Singh Kachhwaha ने कहा, खूबसूरत प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है, अब समय आ गया है कि हम भी एक पौधा लगाकर प्रकृति को और बेहतर बनाने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से गार्गी सिंह, हेमा सिंह, राधेश्याम परिहार, रवि साहू, राजेंद्र गुप्ता, पार्षद आंचल दुबे, विकास तिवारी, प्रीति मिश्रा, रश्मि गुप्ता, पूजा सिंह, रानी सिंह, गरिमा सराफ, नीलम चौधरी, रेनू रानी गौतम, चांदनी भारद्वाज, ममता साहू, रेहाना तबस्सुम, डॉ. ज्योति सक्सेना, रेखा सोनवानी, सुधा गुप्ता, विनोद व्यास, महेंद्र जायसवाल एवं RJ Vishal उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुआ पौधारोपण

बिलासपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नेहरू नगर स्थित कल्पना विहार कॉलोनी में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर विधायक अमर अग्रवाल ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश दिया। इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम केवल एक अभियान नहीं, बल्कि मां के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी माध्यम है, जो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु, हरित वातावरण और बेहतर जीवन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना जितना आवश्यक है, उसकी नियमित

देखभाल और संरक्षण उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। श्री अग्रवाल ने उपस्थित कॉलोनीवासियों से लगाए गए पौधों की नियमित देखरेख, सिंचाई एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने का आवाहन किया। श्री अग्रवाल के आवाहन का समर्थन करते हुए कॉलोनीवासियों ने पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी लेने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी रहवासी मिलकर पौधों को नियमित रूप से पानी देंगे तथा उनकी देखभाल करेंगे, ताकि लगाए गए पौधे भविष्य में छायादार और फ्लदार वृक्ष बन सकें। कार्यक्रम के दौरान महापौर पूजा विधानी, जिला उपाध्यक्ष अजीत भोगल, मंडल अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण कश्यप, वार्ड पार्षद कार्तिक यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष वैभव गुप्ता, अमर राजपूत, श्रद्धा तिवारी, कल्पना विहार के अध्यक्ष बी.एल. जोहार, रोशन सिंह, प्रतिभा मिश्रा, विजय यादव, संजय अग्रवाल।

तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने दिलाया गया स्वच्छ और हरित ग्राम निर्माण का संकल्प

बिलासपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज तखतपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत बेलपान में आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने हरित ग्राम निर्माण का संकल्प दिलाया। जिले के समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। ग्राम सभाओं में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर विशेष चर्चा करते हुए ग्रामीणों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सक्रिय सहभागिता का संदेश दिया गया।तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने इस अवसर पर कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता केवल एक दिवस का अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा सतत प्रयास है। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधरोपण करने, प्लास्टिक के

उपयोग को कम करने तथा स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। ग्राम सभाओं में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत साफ-सफाई बनाए रखने, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त ग्राम निर्माण तथा सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाकर ही स्वच्छ, सुंदर और विकसित ग्रामों की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने ग्रामीणों में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश प्रसारित किया। बेलपान में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती ललिता संतोष कश्यप, तखतपुर जनपद अध्यक्ष श्रीमती माधवी वस्त्रकार, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल सहित जिले एवं जनपद के जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छाग्राही तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार में बदली जिंदगी की राह

- छात्रा शशि को शिक्षा और किसान बहोरन को खेती के लिए मिला सहयोग
- ऋण राशि का उपयोग खेती-किसानी से जुड़े कार्यों में करेंगे, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी

बिलासपुर। आर्थिक चुनौतियों के बीच जीवन को बेहतर बनाने की राह तलाश रहे दो परिवारों के लिए सुशासन शिविर नई उम्मीद लेकर आया। मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से छात्रा कुमारी शशि साहू को शिक्षा जारी रखने के लिए आर्थिक सहयोग मिला, वहीं किसान बहोरन लाल कौशिक को खेती-किसानी के लिए ऋण सहायता प्राप्त हुई। शासन की योजनाओं से मिली इस मदद ने न केवल उनकी तत्काल जरूरतों को पूरा किया, बल्कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर नया आत्मविश्वास भी दिया।तखतपुर विकासखण्ड के गनियारी में आयोजित सुशासन शिविर में रानीपारा निवासी कुमारी शशि को मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। कुमारी शशि ने बताया कि उनके पिता मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं और आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पढ़ाई जारी रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। योजना के तहत मिली सहायता राशि से उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि शासन की इस पहल से बेटियों को आत्मनिर्भर बनने और अपने सपनों को साकार करने में मदद मिल रही है। गनियारी के श्री बहोरन लाल कौशिक को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के माध्यम से 36 हजार रुपये की राशि का चेक प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि वे इस ऋण राशि का उपयोग खेती-किसानी से जुड़े कार्यों में करेंगे, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि समय पर ऋण उपलब्ध होने से किसानों को आर्थिक संबल मिलता है और खेती के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करना आसान हो जाता है। बहोरन लाल ने शासन की किसान हितैषी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी योजनाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम में लाभान्वित हितग्राहियों ने शासन द्वारा संचालित योजनाओं के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

एसईसीएल मुख्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया

- एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत किया गया पौधरोपण
- एसईसीएल की वार्षिक पर्यावरण पत्रिका पर्यावरण दर्पण का हुआ विमोचन

बिलासपुर। एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में आज दिनांक 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस उत्साह, जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति एसईसीएल की प्रतिबद्धता को विभिन्न गतिविधियों द्वारा प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन द्वारा पर्यावरण ध्वज फहराकर किया गया। इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन, निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) श्री रमेश चन्द्र महापात्र, श्रद्धा महिला मण्डल अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन, उपाध्यक्षागण श्रीमती अनीता फ्रैंकलिन, श्रीमती इप्सिता दास, श्रीमती विनिता जैन एवं श्रीमती शुभश्री महापात्र सहित विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन के नेतृत्व में सभी निदेशगण एवं सीवीओ तथा श्रद्धा महिला

मण्डल अध्यक्षा, उपाध्यक्षागण , सदस्याएं ,एवं विभिन्न विभागाध्यक्षगण ,नेहरु सताब्दी नगर कॉलोनी में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत विभिन्न फ्लदार एवं औषधि युक्त पोधो का पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी जनों ने हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण हेतु अपना संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के दौरान एसईसीएल की वार्षिक पर्यावरण पत्रिका पर्यावरण दर्पण का विमोचन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। साथ ही एसईसीएल की पर्यावरणीय पहलों, हरित परियोजनाओं एवं सतत खनन प्रथाओं पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। अपने संबोधन में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने कहा कि एसईसीएल देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ पर्यावरणीय दायित्वों के निर्वहन के लिए भी समान रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से पर्यावरण संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने सभी उपस्थितजनों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। शपथ के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, वृक्षारोपण, जल बचत एवं पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार अपनाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) श्री रमेश चन्द्र महापात्र ने कहा कि सतत विकास की अवधारणा तभी सार्थक होगी

वास्तु के अनुसार बनाएं मुख्य द्वार पर शुभ निशान

वास्तु शास्त्र में मुख्य द्वार को घर में ऊर्जा के आगमन का सबसे महत्वपूर्ण सोर्स माना जाता है। ऐसे में माना जाता है कि यहां की सजावट वास्तु के अनुसार की जाए तो काफी हद तक घर के माहौल को सकारात्मक रखा जा सकता है। मुख्य द्वार पर बनाए गए कुछ शुभ चिन्ह सुख, शांति और सकारात्मकता का प्रतीक माने जाते हैं।

मुख्य द्वार पर स्वास्तिक का निशान

वास्तु शास्त्र के अनुसार मुख्य द्वार पर स्वास्तिक का निशान बनाना बेहद शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं में इसे सुख, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। माना जाता है कि मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाने से घर की शुद्धता बनी रहती है। इसी वजह से कई लोग विशेष अवसरों और त्योहारों पर इसे जरूर बनाते हैं।

ॐ का चिन्ह बनाना

वास्तु मान्यता है कि अगर मुख्य द्वार पर ॐ का निशान बनाया जाए तो घर की सकारात्मकता बढ़ेगी। इससे घर का वातावरण शांत होता है। साथ ही इससे मन भी अच्छा रहता है। ॐ को हिंदू धर्म में पवित्र प्रतीकों में गिना जाता है और इसी वजह से लोग इसका स्टीकर भी मुख्य द्वार पर लगाते हैं।

मुख्य द्वार पर शुभ-लाभ लिखना वास्तु में शुभ-लाभ को तरक्की और खुशहाली के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। मुख्य द्वार पर इसे लिखने की परंपरा काफी पुरानी है। माना जाता है कि इसे घर के बाहर लिखने से शुभ काम जल्दी-जल्दी होते हैं। वहीं इसकी ऊर्जा से परिवार के सदस्य जिंदगी में सफलता की ओर बढ़ते हैं।

मां लक्ष्मी के पदचिह्न

मुख्य द्वार पर मां लक्ष्मी के पदचिह्न बनाने को सौभाग्य के आगमन के तौर पर देखा जाता है। बस ध्यान रहें कि मां लक्ष्मी के पदचिन्ह अंदर की ओर आते हुए नजर आएं। माना जाता है कि इससे घर में धन, सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है।

कब और कैसे बनाएं चारों निशान?

जब भी आप मुख्य द्वार पर ये निशान बनाएं तो पहले वहां की साफ-सफाई कर लें। अब श्रद्धा भाव के साथ रोली, कुमकुम, हल्दी और चंदन को मिला लें और इसी से ये सारे निशान बना लें। आप चाहे तो इन चारों में से अपनी पसंद से एक या फिर इससे भी ज्यादा निशान बना सकते हैं।

ध्यान में रखें ये बात

बस आपको इस बात का ध्यान रखना है कि ये चारों निशान जिंदगी में खुशहाली तो लाएंगे लेकिन आपके अच्छे कर्म भी जरूरी हैं। ये उपाय धार्मिक मान्यता पर आधारित होते हैं। इन्हें बनाने के साथ-साथ घर में आप भी अपने बात-व्यवहार का ख्याल रखें और सोच हमेशा सकारात्मक ही रखें।

डिस्क्लेमर- (इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं। विस्तृत और अधिक जानकारी के लिए संबंधित विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

सूरज डूबने के बाद किसी को ना दें ये चीजें

वास्तु मान्यताओं के अनुसार सूरज डूबने के बाद कुछ चीजें किसी को नहीं देनी चाहिए। जानें ऐसी कौन सी चीजें हैं और इन्हें देने से क्या नुकसान हो सकता है? घर में बड़े-बुजुर्ग लोगों को आपने अक्सर कहते सुना होगा कि सूरज डूबने के बाद कुछ चीजें नहीं की जाती हैं। आज जानेंगे कि जब दिन ढल जाता है तो किन चीजों को गलती से भी किसी ओर देने से बचना चाहिए? आइए जानते हैं इनके बारे में।

नमक

नमक को सुख-समृद्धि और घर की बरकत से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में सूरज डूबने के बाद नमक किसी को भी नहीं देना चाहिए। माना जाता है अगर ऐसा किया जाए तो घर की अच्छी एनर्जी धीरे-धीरे कम होती जाती है।

झाड़ू

सूरज डूबने के बाद किसी को झाड़ू भी नहीं देना चाहिए। इसे मां लक्ष्मी के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। माना जाता है कि सूर्यास्त के बाद झाड़ू देने से घर में बरकत की कमी आती है। ऐसे में इसे शाम के बाद किसी को देने से बचना चाहिए।

दूध

बड़े-बुजुर्ग रात में किसी को भी दूध ना देने की सलाह देते हैं। इसे चंद्रमा और शांति के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। ऐसे में सूर्यास्त के बाद इसे देने से घर की सुख-शांति भंग होती है।

हल्दी

घर के बड़े-बुजुर्ग हमेशा ये बात कहते हैं कि हल्दी अगर किसी को देना है तो दिन में देना चाहिए। दरअसल इसका संबंध गुरु ग्रह से माना जाता है। अगर कोई सूर्यास्त के बाद हल्दी किसी को भी देता है तो इससे देने वाले के घर का सौभाग्य कम हो सकता है।

पैसे

मान्यता है कि सूरज डूबने के बाद किसी को पैसा उधार देने से उसकी वापसी जल्दी नहीं होती है। ऐसे में सूर्यास्त के बाद किसी को भी पैसा ना दें। कहा जाता है कि ऐसा करने से पैसों से जुड़ी दिक्कतें शुरू हो जाती हैं।

प्याज और लहसुन

लिस्ट में अगला नंबर लहसुन और प्याज है। माना जाता है कि लहसुन और प्याज अपने अंदर की नेगेटिव वाइब्स को खींच लेते हैं। इसी वजह से दिन ढलने के बाद इसे किसी को ना देने की सलाह दी जाती है।

दही

सूरज ढलने के बाद दही भी किसी को नहीं देना चाहिए। इसे शांति और समृद्धि के प्रतीक के रूप में देखते हैं। मान्यता है कि दही को देने से घर की पॉजिटिव एनर्जी और खुशहाली पर बुरा असर पड़ता है। डिस्क्लेमर- इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं। विस्तृत और अधिक जानकारी के लिए संबंधित विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

कमर दर्द के लिए एक्सरसाइज

ऑफिस में लंबे समय तक बैठने से होने वाला कमर दर्द अक्सर गलत पोस्टचर, कम मूवमेंट और कमजोर कोर मसल्स की वजह से होता है। कुर्सी से लंबे समय के बाद उठने पर ऐसा लगता है जैसे कमर पूरी तरह से अकड़ चुकी है और अब खड़ा होना भी मुश्किल हो चुका है। अगर आप भी ऐसा ही महसूस करते हैं, तो एक्सरसाइज को अपने डेली रूटीन में शामिल कर लें। इन्हें करने से आपको दर्द से तुरंत राहत मिलेगी और अकड़न खत्म होगी। इन्हें करने में ज्यादा मुश्किल भी नहीं होगी।

▸ ब्रिज एक्सरसाइज

सबसे पहले घुटने मोडकर पीठ के बल लेटें। धीरे-धीरे कूल्हों को ऊपर उठाएं। 5 सेकंड रोकें और वापस नीचे आएं और ऐसा करीब 10-12 बार करें।

▸ चाइल्ड पोज (Child's Pose)

कमर-घुटनों को रिलैक्स करने के लिए घुटनों के बल बैठें। हाथ आगे फैलाकर शरीर को नीचे झुकाएं। 30 सेकंड तक आराम से रहें और इसे 3-5 बार दोहराएं।

▸ कैट-काउ स्ट्रेच

ये एक्सरसाइज रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है और जकड़न कम करता है। हाथ और घुटनों के बल आएं। सांस लेते हुए पीठ नीचे करें और सिर ऊपर उठाएं। सांस छोड़ते हुए पीठ गोल करें और ठुड्डी अंदर लें और 10-15 बार दोहराएं।

▸ सीटेड स्पाइनल ट्विस्ट

कमर और रीढ़ की जकड़न और दर्द कम करने के लिए सीटेड स्पाइनल ट्विस्ट एक्सरसाइज करें। कुर्सी पर सीधे बैठें। शरीर को धीरे-धीरे दाईं ओर मोड़ें। 15-20 सेकंड रुकें और फिर ऐसे ही दूसरी तरफ करें।

▸ हिप फ्लेक्सर स्ट्रेच

लंबे समय तक बैठने से टाइट हुई मांसपेशियों को ये एक्सरसाइज खोलने में मदद करती है। एक पैर आगे और दूसरा पीछे रखें और धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें। पीछे वाले पैर के हिप में स्ट्रेच महसूस होगा। ऐसे ही 20-30 सेकंड तक रखें।

▸ ऑफिस में कमर दर्द से बचने के टिप्स

-हर 30-40 मिनट में 2 मिनट खड़े होकर चलें। -स्क्रीन आंखों के लेवल पर रखें। -कुर्सी में कमर के पीछे छोटा कुशन लगाएं। -पैरों को जमीन पर सीधा रखें।

किन बातों का रखें ध्यान

ये सभी एक्सरसाइज धीरे-धीरे और बिना झटके के ही करें। अगर आपको लगातार दर्द बना हुआ है या तेज हो गया है, तो फौरन डॉक्टर से संपर्क करें। लंबे समय तक एक ही पोजिशन में न बैठें और रोजाना 10-15 मिनट की हल्की वॉक भी आपको दर्द में राहत देगी।

आज का राशिफल

मेष राशि - मान-सम्मान और कर्मक्षेत्र में बड़ी सफलता लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दसवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में वरिष्ठ अधिकारियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपकी कार्यशैली में निखार आएगा। आपके बिजनेस में किए गए पुराने निवेश अब बड़ा लाभ देना शुरू करेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आपकी लव लाइफ में पार्टनर के साथ आपसी समझ और भरोसा बढ़ेगा, जिससे रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी।

वृषभ राशि - आपके लिए भाग्य का साथ और नई उम्मीदें लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के नौवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में चल रही बाधाएं पूरी तरह दूर होंगी और नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति के नए अवसर मिलेंगे। आपके बिजनेस में लंबी दूरी की यात्राएं बेहद फलदायी साबित होंगी और कोई बड़ा सौदा फाइनल होने से आर्थिक लाभ होगा। आपकी लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा और पार्टनर के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जाने का मन बनेगा।

मिथुन राशि - थोड़ा संभलकर और सावधानी से आगे बढ़ने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के आठवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में काम की अधिकता के कारण आपको थोड़ा मानसिक तनाव महसूस होगा, इसलिए सहकर्मियों से बहस करने से बचें। आपके बिजनेस में पैसों के लेन-देन में कल अत्यधिक सतर्कता बरतें और किसी भी नए निवेश को कुछ समय के लिए टाल दें।

कर्क राशि - आपके लिए खुशियां और दांपत्य जीवन में मधुरता लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के सातवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में टीम वर्क से काम करने पर बड़ी सफलता मिलेगी और दफ्तर में आपकी साख में वृद्धि होगी। आपके बिजनेस में पार्टनरशिप के कामों से कल उम्मीद से ज्यादा मुनाफा हाथ लगेगा, जिससे पुरानी आर्थिक चिंताएं दूर होंगी। आपकी लव लाइफ के लिए दिन बेहद रोमांटिक रहेगा और जीवनसाथी के साथ शाम का समय बहुत यादगार बीतेगा।

सिंह राशि - आपके लिए सूझबूझ और विरोधियों पर विजय पाने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के छठे भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में छिपे हुए शत्रु कल परास्त होंगे और कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत व ईमानदारी की सराहना की जाएगी। आपके बिजनेस में चल रही मंदी कल दूर होगी और आपको नए आर्डर मिलने से अच्छी आमदनी होने के प्रबल योग हैं। आपकी लव लाइफ में पुरानी किसी बात को लेकर थोड़ा तनाव हो सकता है, लेकिन शांत रहकर बातचीत से मामला सुलझाएं।

कन्या राशि - आपके लिए रचनात्मकता और बौद्धिक क्षमता में वृद्धि का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के पांचवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में आपकी नई रणनीतियां और विचार पूरी तरह कामयाब होंगे, जिससे आपके सहकर्मी आपसे प्रभावित नजर आएंगे। आपके बिजनेस में अचानक कहीं से बड़ा धन लाभ हो सकता है, जिससे आपकी रुकी हुई योजनाएं दोबारा गति पकड़ेंगी। आपकी लव लाइफ में आपसी प्रेम बढ़ेगा और पार्टनर के साथ दिल की बातें शेयर करने का बेहतरीन मौका मिलेगा।

तुला राशि-सुख-सुविधाओं और पारिवारिक खुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के चौथे भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में वर्कलोड बढ़ने से घर और दफ्तर के बीच संतुलन बनाने में थोड़ी परेशानी महसूस हो सकती है। आपके बिजनेस में भूमि, भवन या वाहन से जुड़ा कोई बड़ा सौदा फाइनल हो सकता है, जो भविष्य में लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक राशि - आपके लिए पराक्रम और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी का रहेगा क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के तीसरे भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में आपके छोटे भाई-बहनों या सहकर्मियों के सहयोग से कोई जटिल प्रोजेक्ट समय पर आसानी से पूरा हो जाएगा। आपके बिजनेस के सिलसिले में की गई छोटी यात्राएं बेहद फलदायी साबित होंगी और बाजार में आपकी नई पहचान बनेगी।

धनु राशि- आर्थिक समृद्धि और खुशियां लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दूसरे भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में आपकी मधुर वाणी और व्यवहार कुशलता से दफ्तर में आपका प्रभाव बढ़ेगा, पदोन्नति की बात आगे चल सकती है। आपके बिजनेस में फंसा हुआ धन वापस मिलने से आपका बैंक बैलेंस बढ़ेगा और नया निवेश करना काफी आसान होगा।

मकर राशि - आत्मविश्लेषण और नई ऊर्जा के संचार का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के पहले भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में आपकी निर्णय लेने की क्षमता में अद्भुत सुधार होगा, जिससे उच्च अधिकारी आपके काम से बेहद खुश रहेंगे। आपके बिजनेस में आपकी योजनाएं सटीक बैठेंगी, जिससे आपको बड़ा मुनाफा होगा और बाजार में आपकी साख बढ़ेगी।

कुंभ राशि- खर्चों में वृद्धि और थोड़ी भागदौड़ का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के बारहवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में विदेशी स्रोतों से लाभ के योग तो हैं, लेकिन दफ्तर की राजनीति से आपको खुद को दूर रखना होगा। आपके बिजनेस में निवेश करते समय बजट का खास ख्याल रखें। आर्थिक तंगी के योग है।

मीन राशि- शानदार सफलताओं और लाभ कमाने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के ग्यारहवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में मनचाही प्रगति होगी और लंबे समय से रुका हुआ इंसेंटिव या बोनस कल आपको मिल सकता है। आपके बिजनेस में आय के नए स्रोत बनेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति उम्मीद से कहीं ज्यादा मजबूत और बेहतर हो जाएगी।

ठंडे दही से चेहरे की मसाज के फायदे

सर्दियों में ठंडक पाने के लिए लोग कई घरेलू उपाय अपनाते हैं, जिनमें दही का इस्तेमाल भी काफी लोकप्रिय है। ठंडे दही से चेहरे की मसाज करना एक पुराना और आसान घरेलू नुस्खा है। यह त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ कई लाभ भी पहुंचाता है, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। आइए जानते हैं इसके फायदे और सावधानियां।

दही से मसाज करने का सही तरीका

चेहरे को पहले साफ कर लें। फिर ठंडा दही लें और उंगलियों से हल्के हाथों से 5-10 मिनट मसाज करें। उसके बाद 10 मिनट तक ऐसे ही छोड़कर सादे पानी से धो लें। बेहतर परिणाम के लिए इसमें थोड़ा शहद या बेसन भी मिलाया जा सकता है।

ठंडे दही से चेहरे की मसाज के फायदे

❶ त्वचा को ठंडक और राहत

दही की तासीर ठंडी होती है, इसलिए गर्मियों में चेहरे पर लगाने से तुरंत ठंडक महसूस होती है। यह सनबर्न और गर्मी से होने वाली जलन को कम करने में मदद करता है।

❷ नैचुरल मॉइस्चराइज़र

दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को गहराई से हाइड्रेट करता है। अगर आपकी स्किन रूखी है, तो दही से मसाज करने से त्वचा मुलायम और चिकनी हो जाती है।

❸ टैन हटाने में मददगार

गर्मियों में धूप की वजह से त्वचा पर टैन जमा हो जाता है। दही नियमित लगाने से टैनिंग धीरे-धीरे कम होती है और स्किन का रंग साफ दिखाई देता है।

❹ मुंहासों में राहत

दही में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो मुंहासों को कम करने में मदद कर सकते हैं। यह त्वचा को साफ करता है और पोर्स को क्लीन रखता है।

❺ डेड स्किन हटाना

दही में मौजूद लैक्टिक एसिड एक प्राकृतिक एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है। इससे त्वचा की मृत कोशिकाएं हटती हैं और चेहरा फ्रेश दिखता है।

संभावित नुकसान और सावधानियां

❶ एलर्जी की संभावना

कुछ लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, जिनमें दही लगाने से खुजली, लालिमा या जलन हो सकती है। इसलिए पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है।

❷ ज्यादा ऑयली स्किन पर असर

अगर आपकी त्वचा पहले से बहुत ऑयली है, तो दही का ज्यादा इस्तेमाल करने से चेहरे पर चिपचिपापन बढ़ सकता है और पोर्स बंद हो सकते हैं।

❸ सर्दी-जुकाम का खतरा

बहुत ज्यादा ठंडा दही बार-बार चेहरे पर लगाने से कुछ लोगों को सर्दी या साइनस की समस्या बढ़ सकती है, खासकर अगर शरीर पहले से संवेदनशील हो।

❹ ज्यादा देर तक न छोड़ें

दही को चेहरे पर ज्यादा देर तक (20-30 मिनट से ज्यादा) रखने से कुछ मामलों में स्किन ड्राई या इरिटेट हो सकती है।

किन लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए?

बहुत संवेदनशील त्वचा वाले लोग। गंभीर मुंहासों या स्किन इंफेक्शन वाले लोग। जिन्हें डेयरी प्रोडक्ट से एलर्जी हो।

लौकी की सब्जी एक पौष्टिक और स्वादिष्ट डिश

सूखी लौकी चना दाल की सब्जी एक पौष्टिक और स्वादिष्ट डिश है, जो खासतौर पर घर के खाने में पसंद की जाती है। इसमें लौकी की हल्की मिठास और चना दाल की मजबूती का बेहतरीन संतुलन मिलता है। यह सब्जी न केवल स्वाद में अच्छी होती है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है।

आवश्यक सामग्री

ताजी लौकी- 2 कप (छोटी कटी हुई), चना दाल - कप (भिगोई हुई, 1-2 घंटे), तेल - 2 टेबलस्पून, जीरा - 1 छोटा चम्मच, हींग - एक चुटकी, प्याज - 1 (बारीक कटा हुआ), हरी मिर्च - 1-2 (कटी हुई), अदरक-लहसुन पेस्ट - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 (कटा हुआ), हल्दी पाउडर - छोटा चम्मच, धनिया पाउडर - 1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर - छोटा चम्मच, गरम मसाला - छोटा चम्मच, नमक - स्वादानुसार, हरा धनिया - सजाने के लिए

बनाने की विधि

1. दाल तैयार करें

सबसे पहले चना दाल को अच्छी तरह धोकर 1-2 घंटे के लिए भिगो दें। इससे दाल जल्दी पकती है और नरम रहती है।

2. लौकी तैयार करें

अगर आप सूखी लौकी का उपयोग कर रहे हैं, तो उसे पहले हल्के गुनगुने पानी में थोड़ी देर भिगो लें ताकि वह नरम हो जाए। अगर ताजी लौकी है, तो उसे छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें।

3.तड़का लगाएं

एक कढ़ाई या प्रेशर कुकर में तेल गरम करें। उसमें जीरा डालें। जब जीरा चटकने लगे, तो हींग डालें। इसके बाद कटा हुआ प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें।

4. मसाले डालें

अब इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह चलाएं। फिर टमाटर डालें और उसे नरम होने तक पकाएं। इसके बाद हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च और नमक डालकर मसालों को भून लें।

5. लौकी और दाल मिलाएं

अब भिगोई हुई चना दाल और लौकी डालें। अच्छी तरह मिक्स करें। यदि आप थोड़ा ग्रेवी रखना चाहते हैं, तो थोड़ा पानी डाल सकते हैं।

6.पकाएं

अगर आप प्रेशर कुकर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो 2-3 सीटी आने तक पकाएं। कढ़ाई में बना रहे हैं तो ढककर मध्यम आंच पर 15-20 मिनट तक पकाएं, जब तक दाल नरम न हो जाए।

7. फाइनल टच

जब सब्जी पक जाए, तो ऊपर से गरम मसाला डालें और अच्छे से मिलाएं। गैस बंद करें और ताजा हरा धनिया डालकर सजाएं।

खाने के फायदे

चना दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। लौकी शरीर को ठंडक देती है। पाचन के लिए भी यह सब्जी बेहद फायदेमंद होती है।

परोसने का तरीका

इस स्वादिष्ट सूखी लौकी चना दाल को आप गरम-गरम रोटी, पराठे या सादे चावल के साथ परोस सकते हैं।

नहाते समय सबसे पहले कहां डालना चाहिए पानी?

नहाना हमारी रोजमर्रा की दिनचर्या का एक अहम हिस्सा है। ज्यादातर लोग बिना कुछ सोचे-समझे सीधे अपने सिर पर पानी डालकर नहाना शुरू कर देते हैं, जबकि कुछ लोग अपने पैरों से शुरुआत करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शरीर के किस हिस्से पर आपको असल में सबसे पहले पानी डालना चाहिए? इस सवाल का जवाब शायद कई लोगों को हैरान कर दे, क्योंकि इसके पीछे की वजह सिर्फ आदत ही नहीं, बल्कि विज्ञान और सेहत से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें भी हैं...!

विशेषज्ञों के अनुसार खासकर गर्मियों में या तेज धूप से तुरंत अंदर आने के बाद सीधे सिर पर ठंडा पानी डालना हर किसी के लिए सही नहीं माना जाता है। तापमान में अचानक बदलाव से शरीर को झटका लग सकता है। हालांकि, आमतौर पर स्वस्थ लोगों के लिए यह कोई गंभीर समस्या पैदा नहीं करता, लेकिन कुछ लोगों को चक्कर या बेचैनी महसूस हो सकती है।

कई स्वास्थ्य विशेषज्ञ और पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियां यह सलाह देती हैं कि नहाते समय, सबसे पहले पैरों और टांगों पर पानी डालना चाहिए। इसके बाद, धीरे-धीरे पैरों, पेट, टांगों और अंत में सिर पर पानी डालना फायदेमंद माना जाता है। ऐसा करने से शरीर को पानी के तापमान के अनुसार खुद को ढालने का समय मिल जाता है। खासकर बहुत ठंडे पानी से नहाते समय यह तरीका अधिक आरामदायक महसूस हो सकता है।

लोधी समाज के मेधावी विद्यार्थियों का होगा प्रतिभा सम्मान

7 जून को बेमेतरा में जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर गाइडेंस समारोह

बेमेतरा। शिक्षा, प्रतिभा और सामाजिक जागरूकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लोधी क्षत्रिय एम्पलाइज एंड इंटेलेक्चुअल्स एसोसिएशन (लक्ष्य) की जिला इकाई बेमेतरा द्वारा 7 जून 2026, रविवार को समाधान महाविद्यालय, बेमेतरा में चतुर्थ जिला स्तरीय -लक्ष्य प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर गाइडेंस समारोह- का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिले भर से लोधी समाज के छात्र-छात्राएं, अभिभावक, समाज के वरिष्ठजन एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित नागरिक शामिल होंगे। जिला इकाई अध्यक्ष डॉ. अवधेश पटेल ने बताया कि लक्ष्य संगठन पिछले कई वर्षों से शिक्षा एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार एवं व्यक्तित्व विकास के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करना है। कार्यक्रम में वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही जवाहर नवोदय विद्यालय, नीट, जेईई, एनएमएमएसई, प्रयास आवासीय विद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित परीक्षाओं में चयनित प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। समाज के गौरव व्यक्तियों, नव नियुक्त एवं सेवानिवृत्त शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिभावान युवाओं का भी सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे स्वागत के साथ होगा। इसके पश्चात कैरियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश एवं देश के प्रतिष्ठित अधिकारी एवं विशेषज्ञ विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। प्रमुख वक्ताओं में आईएएस अधिकारी एवं सहकारिता आयुक्त रायपुर महादेव कावरे, अपर कलेक्टर कांकेर अरुण वर्मा, उद्योगपति एवं भव्य सृष्टि उद्योग के संस्थापक गणेश वर्मा तथा आईआईटीयन एवं आईसीआईसीआई बैंक मुंबई के चीफ मैनेजर रूपेश वर्मा शामिल हैं। आयोजकों ने समाज के सभी अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं प्रबुद्धजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की है। लक्ष्य संगठन का यह आयोजन शिक्षा, संस्कार और सामाजिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर महिला थाना परिसर में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम संपन्न

दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इंटरनेशनल ब्लू क्रॉस एंड ब्लू क्रिसेंट मूवमेंट्स के छत्तीसगढ़ चैप्टर की दुर्ग जिला इकाई द्वारा महिला थाना दुर्ग परिसर में पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला थाना प्रभारी टीआई नीता सहित समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर संस्था की ओर से सभी पुलिस कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सम्मान स्वरूप एक-एक पौधा भी भेंट किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था की नेशनल डायरेक्टर सरस्वती धानेश्वर ने किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण प्रकृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने का माध्यम भी।

इस अवसर पर संस्था के डिस्ट्रिक्ट कमांडर तरन सुरी, डिप्टी कमांडर नीलम बैनर्जी, सोशल वेलफेयर ऑफिसर ममता गोस्वामी, महिला वेलफेयर ऑफिसर सुनीता मुरकुटे, समन्वयक अधिकारी अभिषेक शर्मा, करना गुप्ता, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर राधिका देवांगन, अविनाश वैष्णव, लीगल हेड पुष्पलता साहू, लीगल ऑफिसर सीमा हिरवानी, एडवोकेट मोनिका सिंह संगीता चंद्राकर, सीमा मेश्राम सहित संस्था के अनेक सदस्यों ने सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों एवं पुलिस कर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण, अधिकाधिक वृक्षारोपण तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत का भव्य स्वागत

बल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत का बालोद जिला में अल्प प्रवास रहा । मोहला मानपुर जिला जाते हुए उनका स्वागत दल्ली राजहरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रतिराम कोसमा ने अपनी साथियों के साथ जोरदार ढंग से किया। रतिराम कोसमा ने बालोद जिला के एकमात्र नगर पंचायत पलारी में हुए चुनाव परिणाम की जानकारी दी। मंहत ने समस्त कार्यकर्ताओं को पलारी में कांग्रेस की जीत की बधाई दी साथ ही आगामी ग्यारह जून को हो रहे आदिवासी बैइठका में अपने आने की सहमति भी उन्होंने प्रदान की।

जुआ सट्टा एक्ट में एक आरोपी से 9,500 रूपये, मोबाईल जप्त

बेमेतरा। जुआ सट्टा एक्ट में एक आरोपी से 9,500 रूपये एवं मोबाईल पुलिस ने जप्त किया। पुलिस ने बताया कि 03 जून 2026 को थाना बेमेतरा स्टाफ को जरिये मुखबिर से सुचना मिली कि एक व्यक्ति ग्राम खिलोरा तालाब पार आम पेड के नीचे आम जगह पर विभिन्न अंको के सामने रूपये पैसो का दांव लगाकर सट्टा-पट्टी लिख रहा है।

कि सुचना पर साइबर सेल एवं थाना बेमेतरा पुलिस टीम पहुच कर सुचना के अधार पर रेड कार्यवाही किया गया, रेड कार्यवाही के दौरान आरोपी को विभिन्न नम्बरो पर रूपये पैसो का दांव लगाकर सट्टा-पट्टी लिखते पकड़ा गया। जिस पर थाना बेमेतरा में जुआ सट्टा का 01 प्रकरण दर्ज कर 01 आरोपी भगत राम साहू पिता स्व. छोटकू राम साहू उम्र 35 वर्ष, निवासी खिलोरा थाना व जिला बेमेतरा के विरूद्ध धारा 6 छत्तीसगढ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 के तहत कार्यवाही की गई हैं। आरोपी के पास से कुल जुमला नगदी रकम 9,500/- रूपये, एक नग टच स्क्रीन मोबाईल कीमती 10,000/- रूपये, जुमला कीमती 19,500/- रूपये एवं सट्टा-पट्टी,पेन जप्त किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, सउनि भानु प्रताप पटेल, आरक्षक इंद्रजीत पांडेय, सायबर सेल से प्रधान आरक्षक योगेश यादव, आरक्षक नुरेश वर्मा, जयकिशन साहू, रेखन साहू, मुकेश माहिरे सहित थाना बेमेतरा एवं साइबर सेल के समस्त पुलिस स्टाफका महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

9 लाख की सीसी सड़क में बड़ा खेलः 4 इंच ढलाई बिना सोलिंग-पन्नी निर्माण से ग्रामीणों में आक्रोश

पंडरिया। जनपद पंचायत पंडरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत छितापार के आश्रित ग्राम केसली खुर्द में लगभग 9 लाख 4 हजार रुपये की लागत से बन रही सीसी सड़क निर्माण कार्य गंभीर विवादों में घिर गया है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में भारी अनियमितता, घटिया सामग्री के उपयोग और तकनीकी मानकों की खुलेआम अनदेखी का आरोप लगाते हुए तत्काल जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया है और सरकारी राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार सीसी सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों के अनुसार 8 से 10 इंच मोटाई की ढलाई होनी चाहिए, लेकिन मौके पर मात्र 4 से 5 इंच ढलाई की जा रही है। इससे सड़क की मजबूती और टिकाऊपन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

कलेक्टर से उच्चस्तरीय जांच की जाएगी मांग

ग्रामीणों ने कलेक्टर कबीरधाम, जनपद पंचायत पंडरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं संबंधित विभाग से तत्काल तकनीकी जांच कराने की मांग की है। उन्होंने निर्माण कार्य में उपयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता, ढलाई की मोटाई और तकनीकी मानकों की जांच कर दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो विकास कार्यों के नाम पर जनता के पैसों की बर्बादी का यह मामला आने वाले समय में बड़ा विवाद बन सकता है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करता है या फिर आरोपों की यह पहल भी अन्य मामलों की तरह धूल फांकती रह जाएगी।

बिना सोलिंग और पन्नी के सड़क निर्माण

ग्रामीणों ने बताया कि सीसी सड़क निर्माण से पहले नियमानुसार सोलिंग बिछाना और उसके ऊपर प्लास्टिक पन्नी डालना अनिवार्य होता है, लेकिन निर्माण स्थल पर इन दोनों प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया जा रहा है। आरोप है कि सीधे जमीन पर कंक्रीट डालकर निर्माण कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि तकनीकी नियमों के अनुसार प्रत्येक 10 मीटर की दूरी पर कटिंग अथवा एक्सपेंशन जॉइंट बनाया जाना चाहिए, ताकि सड़क में दरारें न पड़ें, लेकिन यहां यह प्रक्रिया भी नहीं अपनाई जा रही है। इससे सड़क के जल्द क्षतिग्रस्त होने की आशंका बढ़ गई है।

घटिया सामग्री से निर्माण का आरोप

रामेश्वर भरत, महेश, रमेश कुमार सहित अन्य ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण में बड़े आकार की गिट्टी और निम्न गुणवत्ता वाली मिट्टी मिश्रित रेत का उपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि निर्माण कार्य में सीमेंट की मात्रा भी मानक अनुरूप नहीं दिखाई दे रही है। लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता इतनी खराब है कि कुछ स्थानों पर सतह कमजोर दिखाई देने लगी है। यदि यही स्थिति रही तो लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क कुछ ही समय में उखड़ सकती है।

सूचना पट्ट नहीं, पारदर्शिता पर सवाल

निर्माण स्थल पर कार्य से संबंधित कोई सूचना पट्ट नहीं लगाया गया है। सामान्यतः शासकीय निर्माण कार्यों में योजना का नाम, लागत, स्वीकृति, कार्य अवधि और एजेंसी की जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाती है, लेकिन यहां ऐसा कोई बोर्ड मौजूद नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना पट्ट नहीं लगाने के पीछे निर्माण कार्य से जुड़ी वास्तविक जानकारी छिपाने की मंशा हो सकती है। इससे पूरे निर्माण कार्य की पारदर्शिता संदेह के घेरे में आ गई है।

निरीक्षण नहीं, जिम्मेदार मौन

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अब तक किसी जिम्मेदार अधिकारी ने निर्माण स्थल का निरीक्षण नहीं किया है। लोगों का कहना है कि विभागीय अधिकारियों की चुप्पी और निष्क्रियता कई सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों को आशंका है कि बिना समुचित निरीक्षण और गुणवत्ता परीक्षण के ही मूल्यांकन एवं भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। यदि ऐसा होता है तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि सरकारी धन के दुरुपयोग का गंभीर मामला माना जाएगा। सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर जनपद पंचायत और संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस निर्माण कार्य की निगरानी क्यों नहीं कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली तकदीर, चित्ररेखा निषाद के जीवन में अपना पक्का मकान होने का सपना हुआ साकार

बेमेतरा। कहते हैं कि सपने देखने की कोई उम्र नहीं होती और अगर सही समय पर सरकारी योजनाओं का साथ मिल जाए, तो अभावों का जीवन भी खुशहाली की नई इबारत लिख सकता है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है जिला बेमेतरा , विकासखंड नवागढ़ के ग्राम बैहरसरी के रहने वाली चित्ररेखा निषाद ने। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने उनके जीवन में उम्मीदों की नई रोशनी बिखेर दी है और अब उनका अपना पक्का मकान होने का वर्षों पुराना सपना हकीकत बन चुका है। बताना चाहेंगे कि सुशासन तिहार के अंतर्गत गत दिवस ग्राम पंचायत बैहरसाकेरी में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने अपने कर कमलों से प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मकान पूर्ण होने पर घर की चाबी सौंप कर उन्हें गृह प्रवेश की शुभकामनाएं दी है।

चित्ररेखा निषाद के लिए जीवन कभी भी आसान नहीं रहा। कच्ची दीवारों और जर्जर छत के नीचे गुजारा करना उनके लिए दैनिक संघर्ष का हिस्सा था। बरसात के दिनों में टपकती छत और सुरक्षा की चिंता उनके मन में हमेशा बनी रहती थी। एक स्वाभिमानी महिला होने के बावजूद आर्थिक तंगी के कारण पक्का घर बनाना उनके लिए एक दूर का सपना जैसा था। सरकार की लोक-कल्याणकारी योजना 'प्रधानमंत्री आवास योजना' उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव लेकर आई। पात्रता की शर्तों को पूरा करने के बाद, जब चित्ररेखा का चयन इस योजना के तहत हुआ, तो उनके चेहरे पर मुस्कान लौट आई। योजना के तहत मिली सहायता राशि ने न केवल उनके हौसले बुलंद किए, बल्कि पक्के मकान के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया।अब सपनों का घर है अपना- आज चित्ररेखा निषाद का पक्का मकान बनकर तैयार है। यह

समूहों को ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म की तालीम

महिला उद्यमियों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण प्रशिक्षण

डोंगरगांव नगर। केंद्र सरकार की आरएएमपी योजना के अंतर्गत सीएसआईडीसी छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में चॉइस कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने, उन्हें बाजार से जोड़ने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस प्रोग्राम विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। अनुभाग के ग्राम कुमरदा में स्थित आदिवासी भवन में आयोजित कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों, स्वयं सहायता समूह एसएचजी के सदस्यों एवं महिला संचालित एमएसएमईएस को बाजार विकास हेतु आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता, प्रदर्शनी एवं मेलों में भागीदारी, ब्रांड प्रमोशन तथा निर्यात के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। महिला उद्यमिता न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से उद्यमियों को बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है। कार्यशाला के दौरान विशेषकर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के मेलों/प्रदर्शनी में भागीदारी की प्रक्रिया, उत्पाद ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं लेबलिंग में सुधार, गुणवत्ता प्रमाणन एवं मानकीकरण का महत्व बीटूबी एवं बीटूसी मार्केट लिंकज के अवसर ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिक्री विस्तार, सरकारी सहायता एवं अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया को सविस्तार बताया है। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों ने को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणास्पद बताया। कार्यक्रम में 35 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने ग्राम पंचायत कामता का किया निरीक्षण

बल्लीराजहरा। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने एसडब्ल्यूएम नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कामता का निरीक्षण किया। 01 जून से 05 जून तक आयोजित 'स्वच्छ ग्राम, स्वच्छ जलवायु' अभियान अंतर्गत कलेक्टर मिश्रा ने विभिन्न स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रों का निरीक्षण कर कचरा संग्रहण शेड, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट तथा अन्य अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कचरे के स्त्रोत स्तर पर पृथक्करण, संग्रहण, परिवहन एवं प्रसंस्करण की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गांवों में गीले एवं सूखे कचरे का पृथक संग्रहण सुनिश्चित करने तथा प्लास्टिक अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर मिश्रा ने स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को अपशिष्ट प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कचरे का उचित प्रबंधन केवल स्वच्छता का विषय नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुधार एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने का एक प्रभावी माध्यम भी है। महिलाओं को प्लास्टिक कचरे के संग्रहण, पुनर्चक्रण एवं उससे आय सृजन की संभावनाओं के संबंध में भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी ने बताया कि खुले में कचरा फेंकने एवं प्लास्टिक अपशिष्ट के अनियंत्रित उपयोग से पर्यावरण, जल स्रोतों तथा मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह कचरे का पृथक्करण कर निर्धारित स्थानों पर ही उसका निपटान करें। इससे गांवों एवं शहरों को स्वच्छ रखने के साथ साथ प्रदूषण नियंत्रण में भी मदद मिलेगी। कलेक्टर मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को ग्राम पंचायतों में स्थापित कचरा संग्रहण केंद्रों एवं प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिटों का नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा जन जागरूकता गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के उद्देश्यों की प्राप्ति एवं स्वच्छ, स्वस्थ एवं टिकाऊ पर्यावरण के निर्माण के लिए जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, स्व सहायता समूह की महिलाएं एवं संबंधित विभागों के अधिकारी -कर्मचारी उपस्थित थे।

उपचुनाव के निर्वाचितों को प्रमाण पत्र वितरण जनपद सदस्य 65 वोट से जीते, 6 पंच निर्विरोध

डोंगरगांव नगर। त्रिस्तरीय पंचायत के उपचुनाव अंतर्गत जनपद पंचायत डोंगरगांव के क्षेत्र क्रमांक 5 मचानपार सीट एवं 6 ग्राम पंचायतों में पंच के रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव संपन्न हुआ। मचानपार जनपद सदस्य सीट में 4 प्रत्याशियों के मध्य चुनाव हुआ। वहीं 6 ग्राम पंचायतों में पंच के रिक्त सीट निर्विरोध हो गए हैं। उपचुनाव में पीठासीन अधिकारी एवं तहसीलदार कमल किशोर साहू ने पायनियर को बताया कि आत्माराम रात्रे 235 वोट, भानू राम नारंग 610 वोट, नेतराम देशलहरे 1194 वोट एवं द्वारिका दास टंडन 1269 वोट प्राप्त किए। इस प्रकार टंडन 65 वोटो से निर्वाचित हुए हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत ढाबा वार्ड 7 में दुबीन राम, ग्राम पंचायत परना वार्ड 11 मोहन लाल बांधे, ग्राम पंचायत कोहका ढाबा वार्ड 5 अवध राम, ग्राम पंचायत कोकपुर वार्ड 2 हितेश्वरी, ग्राम पंचायत हरदी वार्ड 7 जागेश्वरी मारकंडे तथा ग्राम पंचायत कुतुलबोड़ भाठागाँव में वार्ड 9 जामिन राणा निर्विरोध निर्वाचित हुए। तहसीलदार ने बताया कि उपचुनाव के अंतर्गत नवनिर्वाचित जनपद सदस्य सहित 6 ग्राम पंचायतों के समस्त 6 निर्विरोध पंचों को जनपद सभागार में निर्वाचन प्रमाण पत्र वितरण किया गया। उक्त अवसर पर गजेंद्र हरिहारणो, ओमप्रकाश जैन सहित नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com